राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 23 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–178 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

15 रुपये! जब भुट्टे की कीमत सुन चौंक गए मंत्री जी, लोग महंगाई-GST की दिला रहे याद

भोपाल। केंद्र सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री और मध्य प्रदेस के मंडला से सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक भुट्टे की कीमत 15 रुपये सुनकर हैरान हो जाते हैं। लोग उनके इस रिएक्शन को महंगाई का अहसास बताते हुए सवाल पूछ रहे हैं। आम यूजर्स के अलावा कांग्रेस के भी कई नेताओं ने वीडियो को शेयर करते हुए महंगाई और जीएसटी पर कॉमेंट किया है। दरअसल इस वीडियो को खुद मंत्री कुलस्ते ने ही गुरुवार को अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया था। उन्होंने लिखा, आज सिवनी से मंडला जाते हुए। स्थानीय भुट्टे का स्वाद लिया। हम सभी को अपने स्थानीय किसानों और छोटे दुकानदारों से खाद्य वस्तुओं को खरीदना चाहिए। जिससे उनको रोजगार और हमको मिलावट रहित वस्तुएं मिलेंगी। इस वीडियो में दिख रहा है कि मंत्री जी सड़क किनारे एक झोपड़ीनुमा दुकान के सामने रुकते हैं और भुट्टा देने को कहता है। युवक तुरंत भुट्टों को भुनकर नींबू मसाला लगाता है। इस बीच मंत्री ने पर्स निकालते हुए कीमत पूछी तो वह हैरान हो जाते हैं। 15 रुपए का एक भुट्टा! हैरानी से कीमत को दोहराते हुए मंत्री फग्गन सिंह कहते हैं कि यहां तो मुफ्त में भी मिल जाता है। फिर वह उससे प्रति किलो कीमत पूछते हैं तो दुकानदार कहता है कि दर्जन के हिसाब से मिलता है। युवक मंत्री जी की हैरानी पर यह भी कहता है कि उसने गाड़ी देखकर ज्यादा कीमत नहीं मांगी है। इसोशल मीडिया पर अब मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। लोग वीडियो शेयर करते हुए लिख रहे हैं कि मंत्री जी को अब महंगाई का अहसास हो रहा है। श्रेया नाम की एक यूजर ने लिखा, मंत्री जी, 15 रुपए का भुट्टा आपको महंगा लग रहा है। सोचिए जब आपको इस पर तस्ञ्ज लगा के मिलेगा तो आपको तो चक्कर आ जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से अपील, 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच सभी अपने घरों पर फहराएं तिरंगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की। मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की। मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम आज उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं, जिन्होंने उस समय स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का स्वप्न देखा था, जब हम औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ रहे थे। हम उनके सपने को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस साल, जब हम 'आजादी का अमृत' महोत्सव

मना रहे हैं, तो आइए 'हर घर तिरंगा' आंदोलन को मजबूत करें। तेरह अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने घरों में तिरंगा फहराएं या प्रदर्शित करें। यह मुहिम राष्ट्रध्वज के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करेगी।'' मोदी ने तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाने संबंधी आधिकारिक संवाद की जानकारी भी ट्विटर पर साझा की। उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा फहराए गए पहले तिरंगे की तस्वीर भी ट्वीट की। सरकार ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू करने की योजना बनाई है।

● 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम आज उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं, जिन्होंने उस समय स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का स्वप्न देखा था, जब हम औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ रहे थे। हम उनके सपने को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।''

बंद होने वाला है 60 साल पुराना यात्रा पर्ची सिस्टम; अब वैष्णो देवी के ऐसे होंगे दर्शन

कटड़ा। अगर आप माता वैष्णो देवी के दर्शन कर चुके हैं तो आपको पता होगा कि यात्रा पर्ची के बिना श्रद्धालुओं को बाणगंगा पर प्रवेश नहीं दिया जाता है यानी आपकी यात्रा का पहला पड़ाव यात्रा पर्ची लेकर बाणगंगा से प्रवेश करना है लेकिन आने वाले समय में आपको दर्शन करने के लिए यात्रा पर्ची नहीं मिलेगी। जी हां, श्राइन बोर्ड यात्रा पर्ची की जगह नई तकनीक पर काम कर रहा है जिसके अमल में आने के बाद 60 साल से चली आ रही यात्रा पर्ची की परम्परा खत्म हो जाएगी।

भारी बारिश एवं भूस्खलन की आशकांओं के बीच प्रशासन द्वारा श्रीमाता वैष्णों देवी के नए मार्ग को यात्रियों के लिए बंद कर दिया गया है। नया यात्रा मार्ग बंद

होने के कारण अर्द्ध कुमारी से भवन के बीच चलने वाली बैटरी कार सेवा को भी स्थगित किया गया है। इसी बीच खराब मौसम के कारण कटड़ा से सांझी छत की हैलीकॉप्टर सेवा भी स्थगित की गई है। माता के दर्शनों के लिए आने वाले यात्रियों को वर्तमान में पारंपरिक पुराने मार्ग पर ही जाने की अनुमति दी जा रही है।

अगस्त से शुरू होगा नया सिस्टम

दरअसल 1 जनवरी 2022 को भवन पर हुए हादसे के बाद श्राइन बोर्ड की तरफ से यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। उनमें से यात्री पर्ची की बजाय नई तकनीक युक्त रेडियो फ्रीक्वैंसी आइडैंटिफि केशन (आर.एफ. आई.डी.)सर्विस भी एक है। नई आर.एफ.आई.डी. सर्विस को अगस्त महीने से शुरू किया जाएगा।

धार्मिक भावनाओं के नाम पर मीट शॉप्स बंद लेकिन मोदी को गोश्त से पैसे कमाने में दिक्कत नहीं-ओवैसी

नई दिल्ली। भारत से मांस का आयात फिर से शुरू करने के लिए बांग्लादेश से केंद्र सरकार ने अपील की है। इन खबरों का हवाला देते हुए AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ढाका में भारत के उच्चायोग ने बांग्लादेश के मत्स्य पालन और पशुधन मंत्रालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें यह अपील की गई है।

दरअसल, बांग्लादेश सरकार ने स्थानीय पशु किसानों के हित को देखते हुए भारत से फ्रोजेन मीट के आयात पर रोक लगा दी थी, विशेष रूप से भैंस के मांस के आयात पर। अब जब आयात फिर से शुरू करने की

बात सामने आई है तो ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने ट्वीट करके कहा, धार्मिक भावनाओं के नाम पर मांस की दुकानें बंद हैं, लेकिन मोदी को गोश्त से पैसे कमाने में कोई दिक्कत नहीं है।

व्यापारियों को पैसा बनाने में मदद कर रही सरकार

ओवैसी ने ट्वीट किया, संघी लगातार मुस्लिम पशु व्यापारियों पर हमला करते हैं। राज्य सरकारें गोमांस पर प्रतिबंध लगाती हैं और यहां बूचड़खाने बंद कर देती हैं, लेकिन सरकार बड़े व्यापारियों को पैसा बनाने में मदद करना चाहती है।

मीट के बड़े निर्यातकों में भारतीय कंपनियां

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय उच्चायोग के पत्र में कहा गया है कि भारतीय निर्यातक और बांग्लादेशी आयातक संघ दोनों ने पिछले कुछ महीनों में इस मामले पर चिंता जताई है। दरअसल, आयात नीति में बदलाव के कारण पिछले कुछ महीनों में फ्रोजेन मीट का आयात नहीं हुआ है। मालूम हो कि भारतीय कंपनियां बांग्लादेश में उच्च गुणवत्ता वाले मांस के सबसे बड़े वैश्विक निर्यातकों में शामिल हैं।

गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में डांस करने पर जताया रोष, कार्रवाई की मांग

गुरदासपुर। पाकिस्तान के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा गुरुद्वारे के अंदर डांस करने की वीडियो वायरल होने पर पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने रोष जताया है। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान में एक वीडियो बहुत ही जोर से वायरल हो रही है जिसमें पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में

तैनात पी.एम.यू. के सुरक्षा कर्मचारी जो गुरुद्वारे की सुरक्षा में तैनात हैं, वे गुरुद्वारे के अंदर डांस कर रहे हैं। यह वीडियो कब बना इसकी पुष्टि नहीं हो रही है, परंतु इस वीडियो के वायरल होने से पाकिस्तान के साथ-साथ भारत के सिखों में भी रोष पाया जा रहा है। पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस वीडियो संबंधी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को शिकायत कर आरोपी कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यूपी-बिहार के इन जिलों में भी भारी बारिश की चेतावनी, इन राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र और गुजरात सहित कई राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में तेज और गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। दिल्ली में अगर आज, 22 जुलाई की बात करें तो न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 33 डिग्री रह सकता है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में आज हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार आज पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश, उत्तर पश्चिम और पूर्वी राजस्थान, विदर्भ के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ

स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

दिल्ली में छाए रहेंगे बादल–दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी दिल्ली में दिनभर बादल छाए रहेंगे । हल्की से मध्यम स्तर की बरसात होने की भी संभावना है। उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है । अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 25 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान, एक दो दिन और मौसम का हाल ऐसा ही रहेगा ।

मध्य प्रदेश के इन जिलों में भारी बारिश की आशंका–मध्य प्रदेश में झमाझम बरसात का दौर जारी है। राज्य के कई हिस्सों में आज भी भारी बारिश के आसार है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। 9 जिलो में भारी बारिश का अलर्ट है जिसमें अनूपपुर, डिंडौरी, मण्डला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, विदिशा, बुरहानपुर और खण्डवा जिले के कई हिस्सों में आज भारी बारिश हो सकती है। वहीं मण्डला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, बुरहानपुर और खण्डवा के कई हिस्सों में बिजली गिरने वाले अलर्ट से लोगों की चिंता बढ़ गई है।

ओडिशा के इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

ओडिशा में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को बौध, बलांगीर, बारगढ़, गजपति, गंजम, कंधमाल, कालाहांडी, कोरापुट, नबरंगपुर, रायगडा, नुआपाड़ा और कटक जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम केंद्र ने शनिवार को जगतसिंहपुर, पुरी, खुर्दा, नयागढ़, अंगुल और सुबरनापुर के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना व्यक्त की है। रविवार को संबलपुर देवगढ़, बारगढ़, झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ में भी भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

ऐसे तो पीएम मोदी भी विदेश नहीं जा पाएंगे.... सिंगापुर दौरा रद्द होने पर बोले केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिंगापुर जाने वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इसे लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी आमने-सामने आ गए हैं। सीएम का कहना है कि अगर संवैधानिक अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर फैसला उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले विषयों के आधार पर लिया जाता है तो प्रधानमंत्री भी विदेश यात्रा पर नहीं जा पाएंगे।

आप सरकार ने एक अगस्त को सिंगापुर में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा का प्रस्ताव उपराज्यपाल (एलजी) को भेजा था। जिसे एलजी ने खारिज कर दिया। आप द्वारा ट्विटर पर साझा किए गए एक आधिकारिक नोट में, केजरीवाल ने एलजी की उन्हें सिंगापुर ना जाने की सलाह से इतर मत रखते हुए कहा कि यदि इस आधार पर देश के संवैधानिक प्राधिकारियों के विदेश दौरों पर निर्णय लिए जाते हैं तो यह अजीब स्थिति और एक व्यावहारिक गतिरोध पैदा करेगा।

एलजी की सलाह से सहमत नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए मैं विनम्रतापूर्वक एलजी की सलाह से इत्तेफाक नहीं रखता हूं। हम इस यात्रा पर जाएंगे। । कृपया केंद्र सरकार से राजनीतिक मंजूरी के लिए आवेदन करें। प्रोटोकॉल के अनुसार, निर्वाचित राजनीतिक नेताओं को विदेश यात्रा पर जाने से पहले विदेश मंत्रालय की मंजूरी लेना आवश्यकता होता है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक बयान में कहा कि फाइल को एलजी के माध्यम से भेजा गया था, जिस पर एलजी ने अपनी सलाह दी है।

कहां गई वीराना की मिस्ट्री गर्ल जैस्मिन जो इस शर्त पर सारे कपड़े उतारने को तैयार थी...

बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने जवाब दिया है कि उनकी क्षमता और समझ में वह एलजी की सलाह से सहमत नहीं हैं क्योंकि निमंत्रण उन्हें दुनिया भर के नेताओं के सामने दिल्ली मॉडल पेश करने को लेकर संबंधित है। मुख्यमंत्री ने अपनी क्षमता से अब विदेश मंत्रालय से इस मामले में राजनीतिक मंजूरी देने के लिए संपर्क किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सक्सेना ने केजरीवाल को अगले महीने सिंगापुर में होने वाले वर्ल्ड सिटीज समिट में शामिल नहीं होने की सलाह दी क्योंकि यह मेयर का सम्मेलन है और किसी मुख्यमंत्री का इसमें शामिल होना ठीक नहीं रहेगा।

सम्मेलन में सीएम का शामिल होना अनुचित

सूत्रों ने कहा कि सक्सेना ने केजरीवाल की विदेश यात्रा के प्रस्ताव को यह देखते हुए रिजेक्ट कर दिया कि सम्मेलन में शहरी शासन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाएगा। जिनपर शहरी सरकार के अलावा एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी जैसे विभिन्न निकायों अपने विचार रखेंगे। एलजी ने कहा कि दिल्ली सरकार के पास इस तरह के विषयों पर विशेष अधिकार नहीं है और एक मुख्यमंत्री के लिए इसमें शामिल होना अनुचित होगा।

सीएम केजरीवाल ने अपने नोट में कहा, मैंने एलजी के नोट को ध्यान से देखा है। उन्होंने %सलाह% दी है कि मुख्यमंत्री को सिंगापुर सम्मेलन में नहीं जाना चाहिए। मैंने माननीय एलजी की सलाह की सावधानीपूर्वक जांच की है और मैं उनसे सहमत नहीं हूं। मत भिन्नता का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मेयर का सम्मेलन नहीं है। यह मेयर्स, शहर के नेताओं, नॉलेज विशेषज्ञों आदि का सम्मेलन है।

पीएम नहीं कर सकेंगे विदेश यात्रा

सीएम ने कहा, %मानव जीवन को संविधान की तीन सूचियों में वर्णित विषयों मे विभाजित नहीं किया गया है। यदि हमारे देश मे प्रत्येक संवैधानिक प्राधिकरण का दौरा इस आधार पर तय किया जाता है कि कौन से विषय उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं, तो इससे एक अजीब स्थिति और व्यावहारिक गतिरोध पैदा होगा। तब प्रधानमंत्री भी कहीं नही जा सकेंगे क्योंकि अपनी अधिकांश यात्राओं मे वे उन विषयों पर भी चर्चा करते हैं जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं बल्कि राज्य सूची मे आते हैं। कोई भी सीएम दुनिया में कहीं का भी दौरा नहीं कर पाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

संपादकीय

विपक्ष की हालत खस्ता

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

राष्ट्रपति के लिए द्रौपदी मुर्मू के चुनाव ने सिद्ध कर दिया है कि भारत के विरोधी दल भाजपा को टक्कर देने में आज भी असमर्थ हैं और 2024 के चुनाव में भी भाजपा के सामने वे बौने सिद्ध होंगे। अब उप-राष्ट्रपति के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गेरेट अल्वा के समर्थन से इंकार कर दिया है। याने विपक्ष की उम्मीदवार उप-राष्ट्रपति के चुनाव में भी बुरी तरह से हारेंगी। अल्वा कांग्रेसी हैं। तृणमूल कांग्रेस को कांग्रेस से बहुत आपत्ति है, हालांकि उसकी नेता ममता बेनर्जी खुद कांग्रेसी नेता रही हैं और अपनी पार्टी के नाम में उन्होंने कांग्रेस का नाम भी जोड़ रखा है। ममता बेनर्जी ने राष्ट्रपति के लिए यशवंत सिंहा का भी डटकर समर्थन नहीं किया, हालांकि सिंहा उन्हीं की पार्टी के सदस्य थे। अब पता चला है कि ममता बेनर्जी द्रौपदी मुर्मू की टक्कर में ओडिशा के ही एक आदिवासी नेता तुलसी मुंडा को खड़ा करना चाहती थीं। ममता ने यशवंत सिंह को अपने प्रचार के लिए पं. बंगाल आने का भी आग्रह नहीं किया। इसी का नतीजा है कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों और सांसदों ने भाजपा की उम्मीदवार मुर्मू को अपना वोट दे दिया। इससे यही प्रकट होता है कि विभिन्न विपक्षी दलों की एकता तो खटाई में पड़ी ही हुई है, इन दलों के अंदर भी असंतुष्ट तत्वों की भरमार है। इसी का प्रमाण यह तथ्य है कि मुर्मू के पक्ष में कई दलों के विधायकों और सांसदों ने अपने वोट डाल दिए। कुछ गैर-भाजपा पार्टियों ने भी मुर्मू का समर्थन किया है। इसी का परिणाम है कि जिस भाजपा की उम्मीदवार मुर्मू को 49 प्रतिशत वोट पक्के थे, उन्हें लगभग 65 प्रतिशत वोट मिल गए। द्रौपदी मुर्मू के चुनाव ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत के विपक्षी दलों के पास न तो कोई ऐसा नेता है और न ही ऐसी नीति है, जो सबको एकसूत्र में बांध सके। देश में पिछले दिनों दो-तीन बड़े आंदोलन चले लेकिन सारे विरोधी दल बगलें झांकते रहे। उनकी भूमिका नगण्य रही। वे संसद की गतिविधियां जरुर ठप्प कर सकते हैं और अपने नेताओं के खातिर जन-प्रदर्शन भी आयोजित कर सकते हैं लेकिन देश के आम नागरिकों पर उनकी गतिविधियां का असर उल्टा ही होता है। यह ठीक है कि यदि वे राष्ट्रपति के लिए किसी प्रमुख विरोधी नेता को तैयार कर लेते तो वह भी हार जाता लेकिन विपक्ष की एकता को वह मजबूत बना सकता था। लेकिन भाजपा के पूर्व नेता यशवंत सिंहा को अपना उम्मीदवार बनाकर विपक्ष ने यह संदेश दिया कि उसके पास योग्य नेताओं का अभाव है। मार्गेरेट अल्वा भी विपक्ष की मजबूरी का प्रतीक मालूम पड़ती हैं। सोनिया गांधी की तीव्र आलोचक रहीं 80 वर्षीय अल्वा को उप-राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष ने आगे करके अपने आप को पीछे कर लिया है। ऐसा लग रहा है कि उप-राष्ट्रपति के लिए जगदीप धनकड़ के पक्ष में प्रतिशत के हिसाब से राष्ट्रपति को मिले वोटों से भी ज्यादा वोट पड़ेंगे याने विपक्ष की दुर्दशा अब और भी अधिक कर्कश होगी।

आलोचना पर अंकुश जनतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार

विश्वनाथ सचदेव

पता नहीं अब संसद में 'भ्रष्ट' या 'तानाशाही' जैसे शब्द सुनाई देंगे या नहीं और यह भी नहीं कह सकते कि सांसद यदि इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इनकी जगह कौन-से शब्द काम में लेंगे, पर यह तय है कि संसद के वर्तमान सत्र में इन और ऐसे शब्दों को लेकर कुछ बहस ज़रूर होगी। यहां बहस की जगह तू-तू, मैं-मैं का उपयोग बेहतर रहता, पर पता नहीं यह शब्द संसद की स्वीकृत शब्दावली में है भी या नहीं। लोकसभा के कार्यालय द्वारा हाल ही में जारी की गयी असंसदीय शब्दों की नयी सूची में संभवतः पंद्रह सौ से अधिक शब्द हैं, जिन्हें असंसदीय करार दिया गया है। इसका अर्थ तो यही होना चाहिए कि इस सूची में शामिल शब्दों का उपयोग संसद में वर्जित है। लेकिन लोकसभा के अध्यक्ष ने यह जानकारी दी है कि इसका अर्थ यह नहीं है कि ये शब्द वर्जित हैं, अध्यक्ष अपने विवेक से संदर्भ को देखते हुए यह निर्णय देंगे कि शब्द-विशेष को संसद की कार्रवाई में रखा जाये या उसे हटा दिया जाये। सवाल यह उठ रहा है कि यदि मामला अध्यक्ष के विवेक का ही है तो कार्रवाई से हटाये गये शब्दों की सूची जारी करने का क्या अर्थ है, और यदि ये शब्द वर्जित नहीं हैं तो विवाद किस बात का? कहा यह भी जा रहा है कि इस तरह की सूची जारी करने की परंपरा पुरानी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि कोई पुरानी परंपरा अर्थहीन है तो उसे ढोने की आवश्यकता क्या है? ऐसी ही एक और 'परंपरा' के नाम पर संसद-परिसर में सांसदों द्वारा किये जाने वाले प्रदर्शन आदि पर प्रतिबंध लगाने संबंधी निर्देश जारी किया जाना है। आये दिन संसद-परिसर में, अधिकतर गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष, विपक्ष के सांसदों को प्रदर्शन करते देखा जाता है। पर इन्हें अनुचित बताने संबंधी परिपत्र शायद संसद के हर सत्र के शुरू होने पर जारी किया जाता है। यहां भी मामला एक परिपाटी के चले आने का है। बहरहाल, असंसदीय शब्दावली को लेकर विवाद उठ ही गया है तो इस बात पर स्थिति स्पष्ट होनी ही चाहिए। असंसदीय व्यवहार का सामान्य अर्थ तो यही है कि जो व्यवहार संसद की मर्यादा के अनुकूल न हो, वह अनुचित है। संसद हमारे लोकतंत्र का मंदिर है, सांसद इस मंदिर की पवित्रता को बनाये रखने के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार का असंसदीय व्यवहार स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। पर, आये दिन हम अपनी संसद में, और विधानसभाओं में, सांसदों या विधायकों के अनुचित व्यवहार के उदाहरण देखते रहते हैं। सदन में नारेबाजी, शोर-शराबा करके सदन की कार्रवाई न चलने देने के उदाहरण अक्सर दिख जाते हैं। मज़े की बात यह है कि इसे संसदीय कार्य-प्रणाली की वैध कार्रवाई भी बताया जाता है। और ऐसा भी नहीं है कि यह कार्य सिर्फ विपक्ष ही करता है। शोर-शराबा और नारेबाजी दोनों ओर से होती है। स्पष्ट है, वैध कार्रवाई की परिभाषा पर मतभेद हैं। अक्सर यह दायित्व पीठासीन अधिकारी का होता है कि वह सदन के सदस्यों को नियंत्रित रखें। सदन की कार्रवाई से कुछ शब्दों को हटा देना भी इसी नियंत्रण का ही हिस्सा माना जाता है। शब्दों को कार्रवाई से हटा देने की इस प्रक्रिया में समय लगता है, अर्थात् सदनों में कथित आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल हो जाता है, और बाद में उन्हें कार्रवाई के रिकार्ड में रखने या न रखने का निर्णय लिया जाता है। लेकिन सदन की सीधी कार्रवाई को टेलीविजन पर दिखाये जाने वाले आज के दौर में बाद में की गयी शब्दों को हटाने की इस कार्रवाई का क्या अर्थ रह जाता है। टीवी पर सदन की कार्रवाई देखने वाला हर दर्शक तो उस कथित असंसदीय शब्द को सुन चुका होता है। तो फिर ऐसे शब्दों की सूची जारी करने का क्या मतलब? एक मतलब हो सकता है- इससे सांसदों-विधायकों को यह आगाह किया जा सकता है कि अनुचित शब्दों का उपयोग करने से बचें। पर इस सावधानी की अपेक्षा तो माननीय सांसदों से होती ही है! संसद के हर सत्र के शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मीडिया के समक्ष आकर दो-चार मिनट का भाषण देते हैं। इस मौके पर उनके कहे का सार यह होता है कि वे एक उपयोगी सत्र की अपेक्षा रखते हैं। सांसदों से उनकी आशा-अपेक्षा यह रहती है कि सदन में सारगर्भित बहस हो, वाद-विवाद भी हो और विपक्ष सरकार की आलोचना भी कर सकता है। 'वाद-विवाद' और 'आलोचना'- ये दो शब्द इस बार भी प्रधानमंत्री ने काम में लिये थे। सहज जिज्ञासा होती है कि आलोचना करते समय विपक्ष किन शब्दों का इस्तेमाल करेगा। 'जुमलाबाजी', 'बाल-बुद्धि', 'मगरमच्छ के आंसू', 'चमचागीरी', 'तानाशाह', 'अक्षम', 'दोहरा चरित्र', 'भ्रष्ट', 'नाटक', 'शकुनि', 'बहरी सरकार'... जैसे अनेक शब्दों को असंसदीय बता दिया गया है। यदि ये और ऐसे शब्द असंसदीय हैं, उपयोग में लाने लायक नहीं हैं, तो इन्हें बोलने पर प्रतिबंध लगना ही चाहिए। पर यदि प्रतिबंध पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है तो इस तरह की सूची जारी करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता। यदि सदन का कोई सदस्य किसी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है तो वह 'भ्रष्ट' के अलावा और क्या शब्द काम में ले सकता है? किसी के तानाशाही व्यवहार को और क्या कहा जायेगा? शब्दों की मर्यादा होनी चाहिए, इसमें कोई संदेह नहीं। सांसदों या विधायकों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वे अपनी बात करते समय अनुचित शब्दों का उपयोग नहीं करेंगे। कड़वी बात भी शालीनता से कही जा सकती है, और कही भी शालीनता से जानी चाहिए। पर संसद या विधानसभाओं की कार्रवाई देखते समय अक्सर ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं जो शालीनता की सीमा लांघने वाले होते हैं। उचित तो यही है कि सदस्य अपने कहे पर विवेक का पहरा स्वयं रखें। पीठासीन अधिकारियों द्वारा कार्रवाई से शब्दों का हटाया जाना अच्छा उदाहरण प्रस्तुत नहीं करता। लेकिन यह भी कोई अच्छी बात नहीं है कि शब्दों पर प्रतिबंध लगाकर सदस्यों के जनतांत्रिक अधिकारों और कर्तव्यों पर अंकुश लगे। विपक्ष के कई मुखर सांसद यह कह चुके हैं कि वे तो इन कथित प्रतिबंधित शब्दों का इस्तेमाल करेंगे, देखते हैं पीठासीन अधिकारी क्या करते हैं। स्वस्थ जनतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि हमारे सांसदों या विधायकों को अपनी बात स्वतंत्रतापूर्वक कहने का अवसर मिलना चाहिए। यही परंपराएं यह भी बताती हैं कि सरकारी पक्ष का दायित्व यह भी है कि वह विपक्ष को डराने के काम न करे। आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, और आलोचना सुनना सरकारी पक्ष का कर्तव्य। आलोचना के अधिकार पर किसी भी प्रकार का अंकुश जनतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार ही माना जायेगा। कथित असंसदीय शब्दों के बजाय सदन में अनुचित व्यवहार से बचना ज़रूरी है और यह बात दोनों पक्षों पर लागू होती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश की महामहिम ब्रह्माकुमारी द्रौपदी मुर्मु!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

यह सच है भगवान हर किसी की परीक्षा लेते है और जो कठिन से कठिन परीक्षा में भी विचलित न हो उसे भगवान सिर आंखों पर बैठा लेते है।द्रौपदी मुर्मु के साथ भी ऐसा ही हुआ।अपने पति और दो बच्चों को हमेशा के लिए खो चुकी द्रौपदी के जीवन मे एक समय ऐसा अंधकार आया था कि लग ही नही रहा था,कभी सवेरा भी होगा।लेकिन जैसे ही दौपदी मुर्मु प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सम्पर्क में आई और राजयोग का अभ्यास कर उनका सम्बंध सीधे भगवान से जुड़ा तो उनके जीवन में गहराया अंधकार हमेशा हमेशा के लिए छंट गया।द्रौपदी को तब तक यह ज्ञान भी हो गया था कि यह सृष्टि एक ड्रामा है जिसमे हम सब अपना अपना किरदार निभाने आए है।जिनका किरदार जितना है,वह उतने ही समय तक रह पाएगा और फिर सबको अपने वास्तविक घर परमधाम जाना है।इसी ज्ञान ने उन्हें जीवन मे प्रकाश दिया और वे देश,समाज व ईश्वरीय सेवा करने में सक्षम हुई।अपने संघर्ष पूर्ण जीवन के इस सुखद पड़ाव पर आकर वे सर्वोच्च पद पर आसीन हो रही है।25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगी।एक आदिवासी परिवार की महिला का देश के राष्ट्रपति पद तक पहुंचना इतना आसान नहीं था। क्योंकि उनका जीवन कई मुश्किलों से भरा रहा है,लेकिन वे सफर की हर मुश्किल को दूर करती चली गईं। द्रौपदी मुर्मू बेहद अनुशासनात्मक और साधारण जीवन जीती हैं। वे रोज सुबह 3 बजे उठ जाती हैं और अपना नियमित राजयोग का अभ्यास करती हैं। विकास महन्तो, द्रौपदी मुर्मू असाधारण रूप से मेहनती और समय की पाबंद हैं।वह जो भी काम करती हैं, उसके बारे में समय की पाबंद होती हैं। सुबह 3 बजे उठने के बाद राजयोग अभ्यास यानि परमात्मा की याद में बैठने के बाद वे नित्य कार्यो में जुट जाती है। फिर नाश्ता करती हैं और उसके बाद अखबार व कुछ आध्यात्मिक किताबें पढ़ती हैं।卐 'अध्यात्म विषयक यूट्यूब वीडियो भी देखती हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों और भाइयों द्वारा दिए गए आध्यात्मिक ज्ञान से उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। अपने दोनों बेटों को खोने के बाद, वह अंदर ही अंदर बहुत दुखी रहती थीं। राजनीति से भी दूर हो जाना चाहती थी, लेकिन जैसे ही वह ब्रह्मकुमारी संस्था में शामिल हुईं और राजयोग का कोर्स किया, वह ठीक होने लगीं व फिर से काम पर वापस आ गई।' द्रौपदी अपने साथ ब्रह्माकुमारीज की किताबे रखती हैं। वह शुद्ध शाकाहारी हैं, प्याज और लहसुन तक नहीं खाती हैं। ओडिशा की विशेष मिठाई 'चेन्ना पोड़ा' उनका पसंदीदा व्यंजन है। 21जून की शाम करीब 8 बजे उन्हें एक फोन आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे बात करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें बताया कि संसदीय बैठक के बाद उन्होंने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उनका नाम रखने का फैसला किया है।शुरूआती कुछ सेकेंड के लिए वे काफी भावुक हो गई थीं। शायद उन्हें अपने पति और बेटों की याद आ रही थी।वह थोड़ा रोई, और फिर सामान्य हो गईं क्योंकि यह खबर आते ही उनके यहां भीड़ एकत्र हो गई थी।' द्रौपदी मुर्मू आज जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्होंने एक लंबा सफर तय किया है। सन 2009-2015 के बीच केवल छह वर्षों में, मुर्मू ने अपने पति, दो बेटों, मां और भाई को खो दिया था, लेकिन अपने जीवन में इतनी त्रासदियों के आने के बाद भी वे मुसीबतों से टकराती रही और आज वे देश की शीर्ष पद तक जा पहुंची हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने बताया कि 13 साल से मुर्मू नियमित तौर पर आबू रोड ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आती हैं व आबू रोड के साथ ही माउंट आबू में होने वाले संस्थान के कार्यक्रमों में शामिल होती हैं। मृत्युंजय ने बताया कि उनके पहले बेटे की सन 2009 में मृत्यु हुई और फिर दूसरे साल उनके दूसरे बेटे की मृत्यु ने उन्हें हिलाकर रख दिया था। उन्होंने सन 2014 में पति को भी खो दिया था। इसके बाद वह अध्यात्म के ज्यादा करीब आ गईं। विधायक और झारखंड की राज्यपाल रहते हुए उन्होंने अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में अहम योगदान दिया।31 जनवरी,सन 2016 और आठ फरवरी, सन 2020 को मूल्य शिक्षा महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने आईं मुर्मू ने ब्रह्माकुमारीज में रहने वाले लोगों से व्यक्तिगत तौर पर संवाद किया । उनके राष्ट्रपति पद पर चुने जाने पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्यों में खुशी की लहर है।द्रौपदी मुर्मू ने शीघ्र ही ब्रह्माकुमारीज संस्थान आबू रोड आने का वादा भी किया है। द्रौपदी मुर्मू के पास वृहद प्रशासनिक अनुभव है। वह ओडिशा में परिवहन, वाणिज्य, मत्स्य व पशुपालन विभाग की मंत्री रही हैं। 64 वर्षीय मुर्मू ने राजनीतिक करियर का आरंभ पार्षद के रूप में किया और बाद में ओडिशा के रायरंगपुर राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की वाइस चेयरमैन बनीं। संताल आदिवासी समुदाय से आने वाली मुर्मू ने झारखंड के राज्यपाल के तौर पर भी अपनी प्रशासनिक दक्षता की छाप छोड़ी है। भुवनेश्वर के रमा देवी कालेज से कला स्नातक मुर्मू ने राजनीति और समाजसेवा में लगभग दो दशक का समय व्यतीत किया।उन्होंने आध्यात्मिकता के तार को इतनी कसकर पकड़ लिया कि उन्हें विपरीतपरिस्थितियों को सहन करने की ताकत मिली। उनका आध्यात्मिकता के साथ एक गहरा संबंध है। माउंट अबू केंद्र में एक कार्यक्रम के दौरान, मुर्मू ने एक बार कहा था - मैं यहां आती हूं क्योंकि यहां के भाई -बहन बहुत प्रिय हैं और मैं उनकी सकारात्मकता लेती हूं। यहां का माहौल अलग है।(लेखक ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षु व मीडिया विंग का आजीवन सदस्य है)

आज के कार्टुन

आत्म विकास

श्रीराम शर्मा आचार्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रात- उठने से लेकर सोने तक की व्यस्त दिनचर्या निर्धारित करें। उसमें उपार्जन, विश्राम, नित्य कर्म, अन्यान्य काम- काजों के अतिरिक्त आदर्शवादी परमार्थ प्रयोजनों के लिए एक भाग निश्चित करें। साधारणतया आठ घण्टा कमाने, सात घण्टा सोने, पांच घण्टा नित्य कर्म एवं लोक व्यवहार के लिए निर्धारित रखने के उपरांत चार घंटे परमार्थ प्रयोजनों के लिए निकालना चाहिए। इसमें भी कटौती करनी हो, तो न्यूनतम दो घंटे तो होने ही चाहिये। इससे कम में पुण्य परमार्थ के, सेवा साधना के सहारे बिना न सुसंस्कारिता स्वभाव का अंग बनती है और न व्यक्तित्व का उच्चस्तरीय विकास संभव होता है। आजीविका बढ़ानी हो तो अधिक योग्यता बढ़ाएं। परिश्रम में तत्पर रहें और उसमें गहरा मनोयोग लगाएं। साथ ही अपव्यय में कठोरतापूर्वक कटौती करें। सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत समझें। अपव्यय के कारण अहंकार, दुर्व यसन, प्रमाद बढ़ने और निंदा, ईर्ष्या, शत्रुता पल्ले बांधने जैसी भयावह प्रतिक्रियाओं के अनुमान लगाएं। सादगी प्रकारान्तर से सज्जनता का ही दूसरा नाम है। औसत भारतीय स्तर का निर्वाह ही अभीष्ट है। अधिक कमाने वाले भी ऐसी सादगी अपनाएं जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। ठाट-बाट प्रदशर्न का खर्चीला ढकोसला समाप्त करें। अहर्निश पशु प्रवृत्तियों को भड़काने वाले विचार ही अंतराल पर छाये रहते हैं। अभ्यास और समीपवर्ती प्रचलन मनुष्य को वासना, तृष्णा और अहंकार की पूर्ति में निरत रहने का ही दबाव डालता है। सम्बन्धी मित्र परिजनों के परामर्श प्रोत्साहन भी इसी स्तर के होते हैं। लोभ, मोह और विलास के कुसंस्कार निकृष्टता अपनाए रहने में ही लाभ तथा कौशल समझते हैं। ऐसी ही सफलताओं को सफलता मानते हैं। इसे एक चक्रव्यूह समझना चाहिये। भव-बंधन के इसी घेरे से बाहर निकलने के लिए प्रबल पुरु षार्थ करना चाहिये। कुविचारों को परास्त करने का एक ही उपाय है-प्रज्ञा साहित्य का न्यूनतम एक घंटा अध्ययन अध्यवसाय। इतना समय एक बार न निकले तो उसे जब भी अवकाश मिले, थोड़ा-थोड़ा करके पूरा करते रहना चाहिये। यही है व्यक्तित्व के कुछ सिद्धांत।

सू-दोकू नवताल 2171

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

सू-दोकू -2170 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2171

1			2		3	4			5
		6		7				8	
9	10		11				12		
	13					14		15	
16			17		18			19	
		20					21		
	22		23			24			25
26		27						28	
				29					
30						31			

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, डिंपल कपाड़िया की 'झूठ बोले कौआ काटे' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. बी.आर. चोपड़ा की बहु सितारा फिल्म 'वक्त' के संगीत निर्देशक कौन थे-2
11. नायक अनिलकपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय देवगन, मनीषा, अविनाश वधावन, करिश्मा की फिल्म-4
19. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. 'समय तू जल्दी जल्दी चल' गीत वाली राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की फिल्म-2
26. 'बाबूजी धीरे चलना' गीत वाली गुरु दत्त, शकीला, श्यामा की फिल्म-2,2
28. आफताब, उर्मिला की 'रुकी- रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. सुनील दत्त, आशापारेख की फिल्म-3
30. 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'डोली सजा के रखना' के संगीत निर्देशक कौन हैं ?-4

ऊपर से नीचे:-

1. जे. पी. दत्ता की 'ऐ जाते हुए लम्हों' गीत वाली एक मल्टी स्टार फिल्म-3
2. फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता की फिल्म-3
4. 'इतनी शक्तिहमें देना दाता' गीत वाली जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. सुनील दत्त, वैजयंती माला की 'औरत ने जनम दिया मर्दों को' गीत वाली फिल्म-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. रामगोपाल वर्मा की मनोज वाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक सस्पेंस फिल्म-2
14. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन अभिनीत फिल्म-3
16. बलराज साहनी, पंढरी बाई, नंदा की 'टाई लगा के बन गए जनाब हीरो हीरो' गीतवाली फिल्म-2
17. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिये' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. अमिताभ बच्चन, नूतन, पद्मा खन्ना की 'तेरा मेरा साथ रहे ' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन है ?-3

फिल्म वर्ग पहेली-2170

आ	जा	द		सं	घ	र्ष		प्या	सा
क्रो		स	त्या		र		दी		थी
श	र्मि	ला		ज		कुं	वा	रा	
		ख	ट्टा	मी	ठा		ना	गि	न
उ	षा			न		जू		नी	
त्स		जा	ल		श्र	ही	द		आं
व	च	न		जी	त		स	ला	खें
	र		सु		रं	भा		वा	
अ	स	रा	नी		ज		वा	रि	स
क्स		नी	ल	म		मां		स	

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 594 रुपये बढ़कर 50,341 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 49,747 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी भी 998 रुपये बढ़कर 55,164 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। गत सत्र में चांदी 54,166 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार जानकारों के अनुसार सोने की मांग बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में तेजी से दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 594 रुपये की तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,718 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी 18.81 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

आकाश एयर 7 अगस्त से 28 साप्ताहिक उड़ानें शुरू करेगा

नई दिल्ली। नई विमानन सेवा आकाश एयर की वो णिज्यिक उड़ानें सात अगस्त से मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर शुरू होंगी। पहली उड़ान बोइंग 737 मैक्स विमान भरेगा। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि सात अगस्त से मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर 28 साप्ताहिक उड़ानों का परिचालन शुरू हो रहा है जिनके लिए टिकट की बिक्री शुरू कर दी गई है। 13 अगस्त से बेंगलुरु-कोच्चि मार्ग पर भी 28 साप्ताहिक उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। कमर्शियल उड़ान सेवा दो 737 मैक्स विमान के जरिए शुरू की जाएगी। विमानन कंपनी को एक मैक्स विमान की डिलिवरी मिल चुकी है, दूसरा विमान इस महीने के ओ खिर तक मिलेगा।

एनएलसी के निदेशक मंडल ने 14,945 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, एनएलसी इंडिया के निदेशक मंडल ने तमिलनाडु में बिजली और खनन परियोजनाओं की स्थापना के लिए 14,944.91 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। कोयला मंत्रालय के तहत आने वाली कंपनी की योजना विभिन्न कोयला और खनन परियोजनाओं में 43,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने नेवेली, तमिलनाडु में 3,755.71 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से खान-तीन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा निदेशक मंडल ने नेवेली, तमिलनाडु में 11,189.20 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से टीपीएस दो दूसरी विस्तारित ताप बिजली परियोजना को भी मंजूरी दी है। एनएलसी की उपस्थिति तमिलनाडु, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में है।

बैटरी की आसान खरीद, रखरखाव के लिए टीजीवाई और टाटा मोटर्स में करार

मुंबई । टाटा ऑटोकॉम्प जीवाई बैटरीज ने बैटरियों की आसान खरीद और रखरखाव के लिए टाटा मोटर्स के साथ 'ऑफ्टरमार्केट' समझौता किया है। टाटा ऑटोकॉम्प जीवाई बैटरीज को टाटा ग्रीन बैटरीज (टीजीवाई) के नाम से भी जाना जाता है। ऑफ्टरमार्केट से आशय बिक्री बाद की सेवाओं से होता है। कंपनी ने कहा कि इस समझौते के तहत टाटा मोटर के अधिकृत डीलरशिप केंद्रों और सर्विस स्टेशन पर इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को एक स्थान पर पर बैटरी संबंधी सभी सुविधाएं मिलेगी। इस साझेदारी से टाटा ऑटोकॉम्प जीवाई बैटरीज को टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलरशिप और सर्विस स्टेशनों के विशाल नेटवर्क का लाभ मिलेगा। टाटा जीवाई बैटरीज दरअसल टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स और जापान की जीएस कुहासा कारपोरेशन के बीच 50-50 प्रतिशत की भागीदारी वाला संयुक्त उद्यम है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

10 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की पूंजी

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस शेयरों में खरीदारी से बाहर ऊपर आया है। कारोबार के दौरान ऑटो, रियल्टी और एफएमजी शेयरों में बढ़त से भी बाजार को बल मिला हालांकि आईटी, एनर्जी, फार्मा शेयरों में गिरावट से बाजार पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 390.28 अंक करीब 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ ही 56,072.23 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 114.20 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16719.85 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में जारी उछाल से इस सप्ताह निवेशकों को जबरदस्त लाभ हुआ है ओर उनकी पूंजी करीब 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ी है। बीएसई की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 2,60,93,602.82 करोड़ रुपये था। गत 6 कारोबारी सत्र में बीएसई की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 9,76,749.78 करोड़ रुपये बढ़कर 2,60,93,602.82 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस दौरान निवेशकों की संपत्ति में 10,27,622.17 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। देश में महंगाई दर में भी कुछ कमी आई है। बाजार जानकारों के अनुसार अगले माह होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो रेट बढ़ सकता है पर ब्याज दरों में कमी हो सकती है। वहीं कारोबार संगठन फिक्की ने भारत की विकास दर जीडीपी ग्रोथ रेट में कमी की आशंका जतायी है। फिक्की ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 7 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी कर दिया है। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा चीन का शंघाई कंपोजिट नुकसान में रहे। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजार शुरूआती कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस तेजी से बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेश में वृद्धि और ठोस तिमाही परिणामों से घरेलू मांग बढ़ रही है।

रूस ने ब्याज दरों में की 150 पॉइंट की कटौती

बिजनेस डेस्क :

रूस ने यूक्रेन के साथ जारी जंग के बीच अपने लोगों को बड़ी राहत दी है। रूस की सेंट्रल बैंक ने शुक्रवार को ब्जाज दरों में बड़ी कटौती की है। सेंट्रल बैंक ऑफ रूस ने ब्याज दरों में 150 अकों की कटौती की है, जोकि अनुमान से कहीं ज्यादा है। रूस में अब ब्याज दरें 9.5 प्रतिशत के कम होकर 8 प्रतिशत तक नीचे आ जाएगी। रॉयटर्स के अनुसार, विश्लेषकों ने 50 आधार अंकों की कमी की उम्मीद की थी। बैंक ने एक बयान में कहा, 'रूसी अर्थव्यवस्था के लिए बाहरी वातावरण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है और आर्थिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से बाधित कर रहा है,' यह देखते हुए कि व्यावसायिक गतिविधि में गिरावट जून में अपेक्षा से धीमी है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद फरवरी के अंत में ब्याज दरों को बढ़ाकर 9.5% से 20% तक कर दिया था। इस वर्ष अब तक रूस के सेंट्रल बैंक द्वारा पांचवीं दर में कटौती की गई है। जून में बैंक ने ब्याज दरों को 150 आधार अंकों से घटाकर 9.5% कर दिया।

वैश्विक स्थिति गंभीर, लेकिन संतोषजनक स्थिति में है भारतीय अर्थव्यवस्था, रुपए की मजबूती इसका स्पष्ट प्रमाण : दास

नई दिल्ली । आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपेक्षाकृत काफी बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और कोरोना के कारण वैश्विक स्थिति गंभीर बनी हुई है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर इन विपरीत स्थितियों का नकारात्मक प्रभाव कम पड़ा है। बैंक ऑफ बड़ौदा के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक मौद्रिक नीतियों के सख्त होने, महंगी कमोडिटी और भू-राजनीतिक जोखिमों की वजह से दुनिया में करेंसी की कीमतों में उथल-पुथल का माहौल है, लेकिन आप देख सकते हैं कि कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारतीय रुपया अभी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। दास ने कहा यह अच्छा संकेत है कि भारतीय रुपया उन्नत और उभरते बाजारों के मुकाबले अच्छी पकड़ बना रहा है। आरबीआई बाजार में तरलता सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने कहा हेज्ड फॉरेक्स एक्सपोजर को तथ्यात्मक रूप से देखने की जरूरत है, न कि इससे चिंतित होने की। दास ने कहा कि रुपए के किसी भी भारी उतार-चढ़ाव के लिए हम जीरो टॉलरेंस रखते हैं। आरबीआई ने रुपये की उपलब्धता को सुचारू बनाए रखने में मदद की है। उन्होंने कहा भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये का कोई विशेष स्तर तय नहीं किया है। रुपये की कीमत को ध्यान में रखते हुए जहां जैसी कमी महसूस होती है, आरबीआई उसी हिसाब से बाजार में डॉलर की आपूर्ति कर रहा है। रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापर सेटेलमेंट पर उन्होंने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह सिस्टम कैसे काम करेगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि यह भविष्य में अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर साबित होगा। दास ने बैंकों से पूंजी बफर को अनिवार्य स्तर से ऊपर बनाए रखने का आग्रह किया।

डिजिटल कर्जदाताओं पर रिजर्व बैंक सख्त, कहा-वही काम करें जिसका लाइसेंस दिया गया

नई दिल्ली ।

बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के द्वारा कर्ज बांटने वाली फिनटेक कंपनियों को सखे त चेतावनी दी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि डिजिटल कर्जदाताओं को अपने दायरे में रहकर काम करना चाहिए और सिर्फ उन्हीं कार्यों से जुड़े रहना चाहिए, जिसका उन्हें लाइसेंस दिया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के सालाना कार्यक्रम में गवर्नर दास ने कहा, फर्मों को अपने लाइसेंस के तहत ही कामकाज करना चाहिए। अगर वे इससे अतिरिक्त कोई काम करना चाहते हैं, तो पहले हमसे इजाजत लेनी होगी। अगर बिना मंजूरी लिए फर्मों ने ऐसे किसी काम को अंजाम दिया जिसके लिए उन्हें लाइसेंस नहीं दिया गया है तो यह स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसी फर्मों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक सिस्टम में किसी तरह का जोखिम पैदा करने की इजाजत नहीं दे सकता है। उन्होंने इशारा किया कि अगले कुछ सप्ताह में डिजिटल कर्ज बांटने को लेकर नई नीति लाई जाएगी। रिजर्व बैंक इनोवेशन और तकनीक को बढ़ावा देना चाहता है, लेकिन साथ ही पूरे बैंकिंग इकोसिस्टम को एक नियामकीय रूप में चलाने की भी मंशा रखता है। इस बाबत रेगुलेशन बनाने में देर इसलिए हो रही, क्योंकि अभी हालात काफी जटिल हैं। आरबीआई ने इस बात पर चिंता जताई कि अभी सिस्टम में बिना लाइसेंस के ही कर्ज बांटे जा रहे हैं। गवर्नर ने कहा, हम अनियंत्रित और बिना लाइसेंस के कर्ज बांटने वाले संस्थाओं से जूझ रहे हैं, जो अलग-अलग तरह के कर्ज बांट रहे हैं। इतना ही नहीं लाइसेंस प्राप्त कई संस्थाएं हैं, जो ऐसे कामों को भी अंजाम दे रहे हैं जिनकी उन्हें इजाजत नहीं है। इन सबसे निपटने के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

रिजर्व बैंक की ओर से पिछले साल नवंबर में गठित समिति ने डिजिटल लोन एप पर नियंत्रण के लिए कई सुझाव दिए हैं। इसमें नोडल एजेंसी बनाना भी शामिल है, जो कर्ज बांटने वाले ऐसे एप की विश्वसनीयता को सत्यपित करेगी और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी। आरबीआई ने अपने कार्यकारी निदेशक जयंत कुमार दाश की अगुवाई में एक कार्य समूह का भी गठन किया है जो कर्ज बांटने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एप की निगरानी करेगा। आरबीआई के अनुसार, देश में एंड्रॉयड यूजर्स के प्लेटफॉर्म पर कर्ज बांटने वाले करीब 1,100 एप मौजूद हैं, जो 80 तरह के एप्लीकेशन स्टोर पर काम कर रहे हैं। यह आंकड़ा 1 जनवरी से 28 फरवरी, 2022 के बीच जुटाया गया है। इसमें कहा गया है कि कुल एप में से 600 गैरकानूनी तरीके से काम कर रहे हैं।

अब आ रही साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी, बैंक खाते या वॉलेट से चोरी वाले नुकसान को करेगी कवर

नई दिल्ली ।

देश में अब साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी का भी पदार्पण हो गया है। भारत में अभी साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी ज्यादा प्रचलित नहीं है। इंटरनेट के बढ़ रहे उपयोग के कारण अब साइबर क्राइम भी बहुत बढ़ गए हैं। इसलिए अगर आप इंटरनेट पर ज्यादा समय बिताते हैं, ऑनलाइन शॉपिंग और नेट बैंकिंग का इस्तेमाल करते हैं या आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काफी सक्रिय हैं तो आपके लिए साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी लेना बहुत जरूरी है। एक साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी आपके बैंक खाते या वॉलेट से चोरी होने वाले नुकसान को तो कवर करती ही है साथ ही यह साइबर बुलिंग और साइबर एक्सटॉरशन से पॉलिसीधारक को हुई हानि की क्षतिपूर्ति करती है। इसके अलावा साइबर क्राइम से लगे मानसिक आघात का इलाज खर्च भी साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, साइबर इंश्योरेंस की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने भी एक नई पॉलिसी साइबर वॉल्टएज लॉन्च की है। यह पॉलिसी भी पॉलिसीहोल्डर को साइबर लॉसेस से कवर देगी।

ग्लोबल इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, लाइबेलिटी मनोज कुमार एएस का कहना है कि जिस व्यक्ति का भी बैंक में खाता है, उसे साइबर इंश्योरेंस की जरूरत है। साइबर इंश्योरेंस आज बहुत जरूरी हो गया है। एसबीआई की साइबर वॉल्टएज साइबर इंश्योरेंस पॉलिसी बीमाधारक को काफी विस्तृत कवर प्रदान करेगी। यह बैंक अकाउंट या वॉलेट से पैसे चोरी होने, धोखाधड़ी से किसी द्वारा ऑनलाइन पैसे हड़पने पर हुए नुकसान की भरपाई तो करेगी ही साथ ही साइबर बुलिंग और साइबर एक्सटोर्सन की भरपाई भी करेगी। साइबर बुलिंग इंटरनेट के माध्यम से होने वाला शोषण है। इसमें किसी को धमकी देना, उसके खिलाफ अफवाह फैलाना, भद्दे कमेंट व घृणास्पद बयानबाजी करना, अश्लील भाषा, फोटो का गलत इस्तेमाल आदि काम किया जाते हैं। इसी तरह साइबर एक्सटॉरशन में साइबर अपराधी किसी व्यक्ति के कंप्यूटर या मोबाइल में सेंध लगाकर उसे हैक कर लेते हैं और डेटा चुरा लेते हैं। फिर वे उस व्यक्ति को उसके सिस्टम को वापस देने के लिए पैसे की मांग करते हैं। यही नहीं अगर आपने किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजाने में किसी के बारे में कुछ आपत्तिजनक कह देने पर आप पर हुए केस को लड़ने पर लगे पैसे की भरपाई भी वॉल्टऐज पॉलिसी करेगी। पॉलिसी अनजाने में हुए कार्यों की ही भरपाई करेगी। अगर आप जानबूझकर कुछ आपत्तिजनक करेंगे तो उसकी क्षतिपूर्ति पॉलिसी से नहीं होगी। सिक्योर नाउ इंश्योरेंस ब्रोकर के को-फाउंडर कपिल मेहता का कहना है कि एसबीआई जनरल इंश्योरेंस की वॉल्टऐज साइबर पॉलिसी की खास बात यह है कि यह आपके नाबालिग बच्चों की ऑनलाइन गति विधियों से आपको हुए नुकसान की भरपाई भी करती है। मेहता का कहना है कि बच्चे आजकल इंटरनेट पर बहुत वक्त बिताते हैं और अपने कुछ ऑनलाइन कार्यों के परिणामों के बारे में नहीं जानते हैं। इसलिए उनसे गलतियां हो जाती हैं जिसका नुकसान अभिभावकों को भुगतना पड़ता है।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं की तुलना में रुपया मजबूत: आरबीआई गवर्नर

मुंबई ।

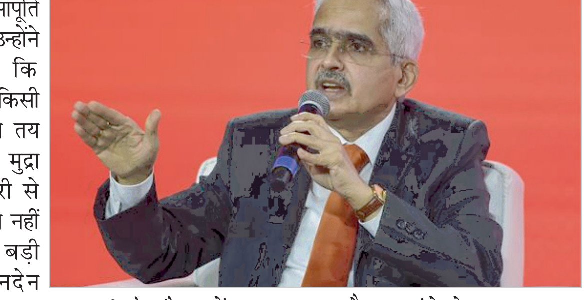

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों की मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपया अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में है। गौरतलब है कि घरेलू मुद्रा कुछ दिन पहले ही 80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक रुपये में तेज उतार-चढ़ाव और अस्थिरता को बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि आरबीआई के कदमों से रुपये के सुगम कारोबार में मदद मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक बाजार में अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कर रहा है और इस तरह बाजार में नकदी (तरलता) की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरबीआई ने रुपए के किसी विशेष स्तर का लक्ष्य तय नहीं किया है। विदेशी मुद्रा की अप्रतिबंधित उधारी से परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसे लेनदेन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां कर रही हैं और सरकार जरूरत पड़ने पर इसमें हस्तक्षेप कर सकती है और मदद भी दे सकती है। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के लिए 2016 में अपनाए गए मौजूदा ढांचे ने बहुत अच्छा काम किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र के हित की खातिर यह जारी रहना चाहिए।

फिक्की ने भारत की वृद्धि दर अनुमान घटाकर 7 फीसदी किया

नई दिल्ली।

उद्योग मंडल फिक्की ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 7.4 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं की वजह से फिक्की ने वृद्धि दर के अनुमान में कमी की है। फिक्की के आर्थिक परिदृश्य सर्वे में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष के अंत तक मुख्य नीतिगत दर रेपो को बढ़ाकर 5.65 प्रतिशत करेगा। अभी रेपो दर 4.9 प्रतिशत है। यह सर्वेक्षण जून में किया गया था और इसमें उद्योग, बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख अर्थशास्त्रियों को शामिल किया गया है।सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रह सकती है। फिक्की ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अधिकतम 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। वहीं न्यूनतम वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत है। फिक्की ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को देखते हुए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर सात प्रतिशत किया गया है। अप्रैल, 2022 के सर्वेक्षण में 7.4 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान लगाया गया था।

बिजली की मांग पूरी करने आयात होगा 7.6 करोड़ टन कोयला

- आने वाले दिनों में बिजली का प्रति यूनिट खर्च 50-80 पैसे बढ़ेगा

नई दिल्ली ।

देश में बिजली की मांग पूरी करने के लिए सरकार 7.6 करोड़ टन कोयला आयात करने की तैयारी में है। दरअसल, देश के पावर प्लांट के पास घरेलू खदानों से आए कोयले की कमी हो गई है और मांग के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। माना जा रहा है कि मानसून की बारिश की वजह से अगस्त और सितंबर में कोयले का उत्पादन और प्रभावित होगा। ऐसे में मांग को पूरा करने के लिए सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड करीब 1.5 करोड़ टन कोयले का आयात करेगी। इसके अलावा देश में बिजली उत्पादन की सबसे बड़ी कंपनी एनटीपीसी और दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) भी करीब 2.3 करोड़ टन कोयले के आयात की योजना बना रही है। साथ ही अन्य सरकार और निजी बिजली उत्पादन कंपनियां भी अपनी खपत पूरी करने के लिए 3.8 करोड़ टन कोयले का आयात कर सकती हैं। इस तरह साल 2022 में ही देश में करीब 7.6 करोड़ टन कोयले का आयात होगा, जो वैश्विक बाजार की कीमत पर होना है। कोयला आयात करने से बिजली उत्पादन करने वाली कंपनियां इस बढ़ी लागत को उपभोक्ताओं से वसूलेंगी और उनके बिल पर बोझ बढ़ जाएगा. अनुमान है कि आने वाले दिनों में बिजली का प्रति यूनिट खर्च 50-80 पैसे बढ़ेगा। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि प्रति यूनिट खर्च में बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि पावर स्टेशन समुद्री बंदरगाह से कितनी दूरी पर स्थित है। इसका मतलब है कि कोयले की बंदरगाहों से स्टेशन तक ढुलाई का खर्च भी कंपनियों की लागत में जुड़ेगा। मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि देश में गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थी। इस साल देश में 60 लाख से ज्यादा एसी बिके हैं, जबकि 9 जून को सबसे ज्यादा 211 गीगावाट की बिजली खपत देशभर में हुई। वैसे तो मानसून के साथ इसमें कमी आई है, लेकिन 20 जुलाई को अधिकतम खपत 185.65 गीगावाट की रही।

क्रिप्टोकरेंसी इनसाइडर ट्रेडिंग का पहला मामला अमेरिका में सामने आया

दो भारतीय भाई, एक भारतीय अमेरिकन आरोपी

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में क्रिप्टोकरेंसी में इनसाइडर ट्रेडिंग का पहला मामला सामने आया है। इसमें में दो भारतीय भाई और उनके एक भारतीय अमेरिकन दोस्त पर इसमें शामिल होने का आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक इस इनसाइडर ट्रेडिंग से इन लोगों ने लगभग 8 करोड़ रुपए अवैध तरीके से कमाए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 32 वर्षीय ईशान वाही और उसका 26 वर्षीय भाई निखिल वाही भारत के नागरिक हैं और सिएटल में रह रहे थे। वहीं उनका इंडियन अमेरिकन दोस्त 33 वर्षीय समीर रमानी ह्यूस्टन में रहता है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए संयुक्त राज्य अटॉर्नी डेमियन विलियम्स और फेडरल जांच ब्यूरो के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर-इन-चार्ज माइकल जे. ड्रिस्कॉल ने इस केस को ओपन करने की घोषणा की। इस मामले में वाही ब्रदर्स और रमानी पर फ्रॉड कॉन्सपिरेसी और क्रिप्टोकरेंसी एसेट में इनसाइडर ट्रेडिंग का चार्ज लगा है। इन तीनों ने क्वॉइनबेस एक्सचेंज पर लिस्ट होने वाली क्रिप्टो एसेट को लेकर गुप्त सूचनाएं लीक की। सिक्यूरिटी एंड एक्सचेंज कमिशन ने इन तीन लोगों के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों की घोषणा की। वाही बंधुओं को सिएटल में गिरफ्तार किया गया। इनको वाशिंगटन के जिला कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस मामले में आरोपियों ने कम से कम 25 अलग-अलग क्रिप्टो एसेट में अवैध व्यापार किया और लगभग 1.5 मिलियन अमरीकी डालर का अवैध प्रॉफिट कमाया है। ईशान वाही पर वायर फ्रॉड की साजिश के दो और वायर फ्रॉड के दो मामले दर्ज हैं। इनमें में से प्रत्येक में अधिकतम 20 वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसी तरह निखिल वाही और रमानी पर वायर फ्रॉड की साजिश का एक और वायर फ्रॉड का एक आरोप लगाया गया है, जिनमें से प्रत्येक में अधिकतम 20 वर्ष की सजा का प्रावधान है।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप : नीरज पहली बार फाइनल में, रोहित ने भी किया कमाल

यूजीन (एजेंसी)।

ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में 88.39 मीटर का थ्रो फेंककर पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया जबकि रोहित यादव ने भी फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए नया इतिहास रच दिया।

पदक के प्रबल दावेदार 24 वर्षीय चोपड़ा ने ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में शुरूआत की और 88.39 मीटर का थ्रो फेंका। यह उनके कैरियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। वह गत चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पीटर्स ने ग्रुप बी में 89.91 मीटर का थ्रो लगाया। चोपड़ा ने कहा, 'यह अच्छी शुरूआत थी। मैं फाइनल में अपना शत प्रतिशत दूंगा। हर दिन अलग होता है। हमें नहीं पता कि किस दिन कौन कैसा थ्रो फेंकेगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे रन अप में थोड़ी दिक्कत थी लेकिन थ्रो अच्छा रहा। बहुत सारे खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में हैं।'

चोपड़ा का क्वालीफिकेशन राउंड कुछ मिनट ही चला क्योंकि स्वत- क्वालीफिकेशन मार्क पहले ही प्रयास में हासिल करने से उन्हें बाकी दो थ्रो फेंकने नहीं पड़े। हर प्रतियोगी को तीन मौके मिलते हैं। रोहित ने ग्रुप बी में 80.42 मीटर का थ्रो फेंका। वह ग्रुप बी में छठे स्थान पर और कुल 11वें स्थान पर रहे। उनका दूसरा थ्रो फाउल रहा और आखिरी प्रयास में 77.32 मीटर का थ्रो ही फेंक सके। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 82.54 मीटर है जो उन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैम्पियनशिप में पिछले महीने हासिल किया था। तब उन्होंने रजत पदक जीता था।

पदक का मुकाबला रविवार को सुबह सात बजकर पांच मिनट पर होगा। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 83.50 मीटर की बाधा पार करने वाले या शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 89.94 मीटर है। उन्होंने लंदन विश्व चैम्पियनशिप 2017 में खेला था लेकिन फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाये थे। दोहा में 2019 विश्व चैम्पियनशिप में वह कोहनी के ऑपरेशन के कारण नहीं खेल सके थे। चोपड़ा ने इस सत्र में दो बार पीटर्स को हराया है जबकि पीटर्स डायमंड लीग में विजयी रहे थे। पीटर्स तीन बार 90 मीटर से अधिक का थ्रो फेंक चुके हैं।

जमैका की जैक्सन ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

यूजीन (एजेंसी)।

जमैका की शेरिका जैक्सन ने महिलाओं की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। जैक्सन ने 21.45 सेकंड का समय निकाला जो अब तक का दूसरा सबसे तेज समय है। वहीं फ्रेजर प्राइस ने 21.81 सेकंड समय निकलकर रजत पदक हासिल किया। प्राइस ने 100 मीटर की रेस में स्वर्ण जीता था। तीसरे स्थान पर रही ब्रिटेन की दीना आसेर स्मिथ ने कांस्य पदक अपने नाम किया। जैक्सन ने जीत के बाद कहा, 'मैं जानती थी कि मुझे स्वर्ण मिले। इसके लिए मैंने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। जमैका ने इस तरह महिलाओं की दौड़ में 6 में से कुल 5 पदक जीते हैं। जैक्सन की जीत के बाद विश्व के सबसे तेज धावक जमैका के उसेन बोल्ट ने अपने देश के दो झंडो के फोटो के साथ ट्वीट करते हुए लिखा ब्रिलियंट। जैक्सन ने इस जीत के साथ ही सियोल में 1988 के ओलंपिक में फ्लोरेंस ग्रिफिथ जोएनर द्वारा बनाया 21.34 सेकंड और नीदरलैंड के डेफने शिपर्स द्वारा बनाए गए 21.63 सेकंड के पुराने विश्व चैम्पियनशिप रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

किंबर्ली गार्सिया ने 20 किमी रेस वॉक में स्वर्ण पदक जीता। 10,000 मीटर में लेटेसेंबेट ने स्वर्ण पदक जीता। 100 मीटर रेस में शैली एन्न ने स्वर्ण पदक जीता। डिस्कस थ्रो में बीन फेंग ने स्वर्ण पदक हासिल किया। 3000 मीटर स्टे प्लेसेस में नूरा जरूर दो ने स्वर्ण पदक जीता। ऊंची कूद में एलियन पैटर्नसन ने स्वर्ण पदक जीता। पंद्रह सौ मीटर में फेथ कीपिएगोन ने स्वर्ण पदक जीता। ट्रिपल जंप में यूलीमर रोजास ने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका वनडे की मेजबानी करेगा दिल्ली, आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 का मेजबान होगा मोहाली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली का फिरोजशाह कोटला अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे की श्रृंखला के अंतिम मैच की मेजबानी करेगा जबकि टी20 विश्व कप के लिये जाने वाली टीम आईसीसी प्रतियोगिता के लिये रवाना होने से पहले आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन मैच खेलेगी। पता चला है कि भारत मोहाली में (20 सितंबर), नागपुर में (23 सितंबर) और हैदराबाद (25 सितंबर) में आस्ट्रेलिया से खेलेगा। भारतीय टीम विश्व कप की अपनी तैयारियों का समापन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन और टी20 मैच से करेगी जो त्रिवेंद्रम (28 सितंबर), गुवाहाटी (एक अक्टूबर) और इंदौर (तीन अक्टूबर) में होंगे। तीन वनडे रांची (छह अक्टूबर), लखनऊ (नौ अक्टूबर) और दिल्ली (11 अक्टूबर) में खेले जायेंगे। बीसीसीआई कोविड-19 के कारण स्थगित हुई लंबित श्रृंखलायें खत्म कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम दुर्गा पूजा के दौरान तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये

South Africa Tour of India.

आ रही है जिसमें दूसरे दर्जे की भारतीय टीम खेलती नजर आयेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''जैसा कि हमारे सचिव जय शाह ने हाल में कहा था, हमारे पास बराबर मजबूती की दो राष्ट्रीय टीमें उपलब्ध हैं। इसलिये तीन वनडे ऐसे समय पर खेले जायेंगे जब राष्ट्रीय टीम विश्व टी20 के लिये रवाना होगी। '' सूत्र ने कहा, ''रोटेशन नीति के अनुसार वनडे को कोलकाता में होना था लेकिन दुर्गा पूजा के समय पर बंगाल क्रिकेट संघ त्योहार के दौरान पुलिस का बंदोबस्त नहीं कर पायेगा। इसलिये एक मैच दिल्ली को दिया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की दावेदारी को मजबूत नहीं मानती मंधाना

टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने कहा है कि टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है। ऐसे में वह राष्ट्रमण्डल खेलों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की दावेदारी को मजबूत नहीं मानती। मंधाना ने कहा कि हमने पहले भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना किया है। भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को करेगी। मंधाना ने कहा कि भारतीय टीम ने अपनी हर प्रतिद्वंद्वी के लिए योजनाएं बनाई हैं।

इंग्लैंड रवाना होने से पहले मंधाना ने कहा, 'हमने कई टूर्नामेंटों के शुरूआती मैचों में ऑस्ट्रेलिया का सामना किया है। टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी भी को हरा सकती है। मैं ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ी टीम कह कर उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त नहीं दे सकती। निश्चित रूप से हमारे दिमाग में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबाडोस के मैच अहम हैं। हम इन सभी मैचों को जीतना चाहेंगे।' भारत को इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इस भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'हमारी तैयारी वास्तव में अच्छी है और मुझे उम्मीद है कि हम पदक के जीतेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ शीर्ष तीन में रहना नहीं है, हम स्वर्ण जीतना चाहते है।'

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबडोस के साथ ग्रुप ए में है जबकि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका ग्रुप बी में है। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और सात अगस्त को तीनों पदक के लिए मैच खेले जाएंगे।

टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों से खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अक्टूबर में भारत दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इससे विश्व कप से पहले दोनो टीमों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद भारतीय टीम अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टी20 और इतने ही

एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप के लिए रवाना होगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की मुख्य टीम टी20 सीरीज खेलेगी पर एकदिवसीय सीरीज के लिए अलग टीम रहेगी। भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला मोहाली में 20 सितंबर, नागपुर में 23 सितंबर और हैदराबाद में 25 सितंबर को होगा। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के त्रिवेंद्रम में 28 सितंबर, गुवाहाटी में एक अक्टूबर और इंदौर में तीन अक्टूबर को मुकाबले खेलेगी। वहीं तीन एकदिवसीय मैच रांची में छह अक्टूबर, लखनऊ में नौ अक्टूबर और दिल्ली में 11 अक्टूबर को होंगे।

यूएई में होगा एशिया कप : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली ने कहा है कि एशिया कप का आयोजन भारत में नहीं बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगा। वहीं इससे पहले श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने देश में जारी खराब आर्थिक हालातों को देखते हुए एशिया कप की मेजबानी में असमर्थता जाहिर कर दी थी। तब अटकलें थीं कि अब भारत में यह टूर्नामेंट हो सकता है पर गांगुली के बयान के बाद ऐसी सभी अटकलों पर विराम लग गया। गांगुली ने बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल मीटिंग के बाद कहा कि यह टूर्नामेंट यूएई में होना इसलिए भी तय है क्योंकि इस मौसम में वहां बारिश नहीं होती है। यूएई के अलावा बांग्लादेश का नाम भी मेजबानी की दौड़ में शामिल था। एशिया कप 2022 में इस बार 6 टीम भाग लेंगी। श्रीलंका, गत चैम्पियन भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया था। साल 1984 में शुरुआत के बाद से ही अब तक 14 बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है। इसे सबसे अधिक सात बार भारतीय टीम ने जीता है।

सिर्फ खिलाड़ियों का ही 'पूल' जरूरी नहीं, कोचों की 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना भी जरूरी : लक्ष्मण

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों की 'बेंच स्ट्रेंथ' देखकर पूरी दुनिया हैरत में है लेकिन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को लगता है कि भारतीय क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाने के लिये विश्व स्तरीय कोचों और अन्य सहयोगी स्टाफ का बड़ा 'पूल' तैयार करना भी इतना ही अहम है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज लक्ष्मण ने दिसंबर में एनसीए की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने गुरूवार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद बैठक में भारतीय क्रिकेट के लिये अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए कहा, ''एनसीए में अभी ये मेरे शुरूआती दिन है लेकिन मेरा दृष्टिकोण सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है। मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी कोचों और अन्य सहयोगी स्टाफ की मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना है। '' उन्होंने कहा, ''यह देखते हुए कि खेल कितना पेशेवर बन गया है और इन दिनों कितना क्रिकेट खेला जाता है, तो शीर्ष स्तरीय कोचों और फिजियो और वैज्ञानिक चिकित्सा विशेषज्ञ की मांग बढ़ना भी लाजमी है। '' लक्ष्मण ने कहा, ''यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एनसीए में ऐसा कार्यक्रम शुरू करें जिससे भारतीय प्रतिभाओं को इस विभाग में भी खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिले। '' लक्ष्मण एनसीए में जिम्मेदारी संभालने के तुरंत बाद भारतीय अंडर-19 टीम के साथ कैरेबियाई दौरे पर गये थे और हाल में वह राहुल द्रविड़ के साथ आयरलैंड टूर पर गयी भारतीय टीम के कोच थे।

इंग्लैंड के टेस्ट कोच मैकुलम ने स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया

लंदन। (एजेंसी)।

इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रेंडन मैकुलम ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले को पूरी तरह सकारात्मक नजरिए से देखते हैं लेकिन वह इसको लेकर सुनिश्चित नहीं है कि क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए कहीं यह चलन नहीं बन जाए। विश्व कप 2019 के फाइनल के नायक स्टोक्स ने सोमवार को वनडे से संन्यास लेने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने कहा था कि तीनों प्रारूपों में खेलना उनके लिए असंभव है। मैकुलम से जब पूछा गया कि क्या वह स्टोक्स के फैसले से खुश हैं तो उन्होंने कहा, ''हां मैं उनके फैसले से खुश हूं।''

मैकुलम से यह भी पूछा गया कि क्या स्टोक्स का कदम दुनिया के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी चलन बन जाएगा। इस पर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या कम है। वह (स्टोक्स)ऐसा फैसला कर सकता था लेकिन यह व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए समय की मांग भी थी और उन्होंने टेस्ट कप्तान की अपनी भूमिका को प्राथमिकता में रखा।'' उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि यह पूरे विश्व भर में चलन बन जाएगा लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसे पूरी तरह से सकारात्मक रूप से देखता हूं। मैं अब स्टोक्स के साथ अधिक समय बिताने को लेकर उत्साहित हूं।'' स्टोक्स का फैसला कई के लिये चौंकाने वाला रहा क्योंकि वह अभी केवल 31 साल के हैं लेकिन मैकुलम इसके दूसरे पहलू पर गौर करते हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हम स्टोक्स को तीनों प्रारूपों में खेलता हुआ देखना चाहते हैं। वह सुपरस्टार है और हमने देखा है कि उन्होंने क्या हासिल किया है, लेकिन कभी चीजों के दूसरे पहलू पर भी गौर करना पड़ता है और मैं इसे सकारात्मक रूप से देखता हूं। अब वह टेस्ट टीम को अधिक समय दे पाएंगे।

नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज – विश्वनाथन आनंद नें बनाई बढ़त

डोर्टमंड ,स्पेन। भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन डोर्टमंड शतरंज में लगातार दूसरे वर्ष नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज का खिताब जीतने का प्रयास कर रहे है । शतरंज के इस फॉर्मेट में राजा को सुरक्षित करने की खास चाल किलेबंदी को करने की अनुमति नहीं होती है । आनंद नें पिछले साल पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के बालदिमीर क्रामनिक को व्यक्तिगत श्रंखला में मात देकर पहली बार यह खिताब जीता था जबकि इस बार इस प्रतियोगिता को चार खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेला जा रहा है । अभी तक आनंद पहले तीन राउंड में जर्मनी के दिमित्री कोल्लार्स और इंग्लैंड के माइकल एडम्स से ड्रॉ खेलकर तो जर्मनी के डेनियल फ्रिडमन को पराजित करते हुए 2 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है और अब उन्हे इन सभी खिलाड़ियों से एक और मुक़ाबला खेलना बाकी है । आनंद के अलावा दिमित्री और एडम्स 1.5 अंक तो डेनियल फिलहाल 1 अंक बनाकर खेल रहे है । प्रतियोगिता में पूर्व विश्व चैम्पियन ब्लादिमीर क्रामनिक स्वास्थ्य कारणो से अंतिम समय में नाम वापस लेना पड़ा

शार्दुल ठाकुर को ऑलराउंडर नहीं मानता न्यूजीलैंड का यह पूर्व खिलाड़ी, दिया यह बयान

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस का मानना है कि हार्दिक पांड्या के उभरने से शार्दुल ठाकुर को भारतीय टीम में अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। स्टायरिस को लगता है कि ठाकुर में बाउंड्री मारने, कुछ मैच जीतने वाली पारियां खेलने और एक फिनिशिंग टच के साथ पारी को खत्म करने की क्षमता है। हालांकि पूर्व कीवी ऑलराउंडर को लगता है कि हार्दिक को ठाकुर से आगे है क्योंकि वह एक वास्तविक ऑलराउंडर है। स्टायरिस ने कहा, यही एक चीज है जो उसके पक्ष में है, वह यह है कि वह बल्लेबाजी करता है और हमने उसे आमतौर पर खेल के लंबे संस्करणों में भारत के लिए कई मैच जीतने वाली पारियां खेलते हुए देखा है। लेकिन उसके पास बाउंड्री मारने, पारी को खत्म करने या फाइनल टच देने की क्षमता है जो उसे अपने फायदे के लिए है। उन्होंने कहा, उसका नकारात्मक पक्ष हार्दिक पांड्या का एक वास्तविक ऑलराउंडर के रूप में उभरना है। क्या आपको उन दो शैली के खिलाड़ियों की आवश्यकता है? क्योंकि शार्दुल ठाकुर हार्दिक पांड्या जितने अच्छे नहीं हैं। मैं नहीं मानता कि वह एक ऑलराउंडर है। इसलिए हो सकता है कि वह फ्रंट लाइनर के रूप में खेलने के लिए उन खिलाड़ियों में से एक के बजाय बैकअप के लिए लड़ रहा हो। पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान थे और उन्होंने अपने डेब्यू सीजन में टीम को खिताब दिलाया।

भारत के एल्डोस ने विश्व एथलेटिक्स के फाइनल में पहुंचकर बनाया रिकार्ड

यूजीन । भारत के एल्डोस पॉल विश्व एथलेक्टिक्स चैंपियनशिप की तिहरी कूद स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। एल्डोस ने 16.68 मीटर की छलांग लगाई। एल्डोस ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रहने के साथ ही कुल 12वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का फाइनल रविवार को होगा। एल्डोस ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर के करीब पहुंचकर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में फेडरेशन कप में किया था। वहीं भारत के ही प्रवीण चित्रावल और अब्दुल्ला अबुबाकर फाइनल में नहीं पहुंच पाये। इन दोनो ने ही 16.49 मीटर और 16.45 मीटर की छलांग लगायी। चित्रावल ग्रुप ए में आठवें स्थान पर जबकि कुल 17वें स्थान पर रहे। वहीं अबुबाकर ग्रुप बी में 10वें और कुल 19वें स्थान पर रहे। गौरतलब है कि 17.05 मीटर पार करने वाले शीर्ष 12 एथलीटों को ही फाइनल में प्रवेश मिला है।

वनडे 'धीमी मौत मर रहा है' लेकिन टेस्ट क्रिकेट अभी भी मजबूत : उस्मान ख्वाजा

मेलबोर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के अनुसार वनडे क्रिकेट 'एक धीमी मौत' मर रहा है। उनके लिए बेन स्टोक्स का वनडे क्रिकेट से संन्यास लेना कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है। 31 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेन स्टोक्स ने क्रिकेट अधिकारियों को खिलाड़ियों के साथ 'गाड़ी' जैसा व्यवहार ना करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई है कि उनके वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के निर्णय से सब सचेत होंगे।

स्टोक्स के अनुसार अभी काफी ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है, इससे किसी भी खिलाड़ी के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना काफी मुश्किल हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 2019 के बाद से सीमित ओवर के क्रिकेट में शामिल नहीं हुए हैं। उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के परिमाण को देखते हुए आगे चल कर 50 ओवर क्रिकेट में भारी कटौती होगी। 'यह मेरी अपनी निजी राय है। मुझे पता है कि बहुत सारे लोगों का भी यही दृष्टिकोण है।

आपके पास टेस्ट क्रिकेट है, जो शिखर पर है। आपके पास टी 20 क्रिकेट है, जिसमें स्पष्ट रूप से दुनिया भर में लीग हैं। हर कोई इसे देखना पसंद करता है। इन दोनों के बाद वनडे क्रिकेट है, जिसका प्रभाव कम हो रहा है। शायद यह इन तीनों फॉर्मेट में अंतिम पायदान पर है। व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा लग रहा है कि वनडे क्रिकेट धीमी मौत मर रहा है। अभी भी विश्व कप है, जो मुझे लगता है कि वास्तव में मजेदार है और यह देखना सुखद है लेकिन इसके अलावा व्यक्तिगत रूप से मुझे वनडे क्रिकेट उतना पसंद नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को अपने गर्मियों के सीज़न का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर जारी कर दिया। इसके बाद ख्वाजा ने वनडे क्रिकेट पर अपने विचार रखे। ख्वाजा ने कहा कि मौजूदा समय में ऐसा नहीं है कि तीनों फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ी नहीं बनाए जा सकते लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। ख्वाजा ने अनुसार, 'इसके लिए आपको काफी यात्रा करना पड़ेगी। अगर आप तीनों फॉर्मेट खेलते हैं तो आप घर पर कभी नहीं रहते हैं। इसके अलावा आप थक जाते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से काफी

एसी गोवा ने मोरक्को के फुटबॉलर को शामिल किया

पणजी । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एसी गोवा ने मोरक्को के फुटबॉलर नूह सदओई को अपने साथ जोड़ा है। इसके लिए एसी गोवा ने सदओई के साथ दो साल का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत नूह साल 2024 सत्र तक गोवा टीम के साथ बने रहेंगे। क्लब के अनुसार इस खिलाड़ी के आने से टीम बेहतर होगी। साथ ही खिलाड़ियों को नूह के अनुभवों से लाभ मिलेगा। वहीं क्लब में शामिल किये जाने से उत्साहित नूह ने कहा कि यह क्लब मेरे लिए नया नहीं है। हम पिछले दो साल से संपर्क में थे। इस दौरान मुझे टीम के प्रदर्शन को देखने का अवसर मिला था। टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है।

कब और कैसे करें चने की खेती

भारत में चने की खेती मुख्यरूप से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। देश के कुल चना क्षेत्रफल का लगभग 90 प्रतिशत भाग तथा कुल उत्पादन का लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं प्रदेशों से प्राप्त होता है। भारत में चने की खेती 7.54 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है जिससे 7.62 क्विं./हे. के औसत मान से 5.75 मिलियन टन उपज प्राप्त होती है। भारत में सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्यप्रदेश है तथा छत्तीसगढ़ प्रान्त के मैदानी जिलो में चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है।

जलवायु :

चना एक शुष्क एवं ठण्डे जलवायु की फसल है जिसे रबी मौसम में उगाया जाता हे। चने की खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 से.मी. वार्षिक वर्षा) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त है। फसल में फूल आने के बाद वर्षा होना हानिकारक होता है, क्योंकि वर्षा के कारण फूल परागकण एक दूसरे से चिपक जाते जिससे बीज नही बनते है। इसकी खेती के लिए 24-300सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है। फसल के दाना बनते समय 30 सेल्सियस से कम या 300 सेल्सियस से अधिक तापक्रम हानिकारक रहता है।

भूमि की तैयारी :

चने की खेती दोमट भूमियों से मटियार भूमियों में सफलता पूर्वक किया जा सकता है। चने की खेती हल्की से भारी भूमियों में की जाती है। किन्तु अधिक जल धारण एवं उचित जल निकास वाली भूमियां सर्वोत्तम रहती हैं। छत्तीसगढ़ की डोरसा, कन्हार भूमि इसकी खेती हेतु उपयुक्त हैं। मृदा का पी.एच. मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है।

अंसिचित अवस्था में मानसून शुरू होने से पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देशी हल से की जाती है। फिर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है। दीमक प्रभावित खेतों में क्लोरपायरीफास मिलाना चाहिए इससे कटुआ कीट पर भी नियंत्रण होता है।

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए अनुशंसित किस्मः

इंदिरा चना : यह किस्म फफूंदी उकठा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं कटुवा कीट के प्रति सहनशील है। यह बरानी एवं अर्धसिंचित अवस्था के लिए उपयुक्त है। इस किस्म की उत्पत्ति जे.जी. 74 × आई. सी.सी.एल.-83105 से हुई है एवं यह 110-115 दिनों में पककर 15-20 क्वि. हे. उपज देती है।

वैभवः इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म सेपूर्ण छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए उपयुक्त है। यह किस्म 110-115 दिन में पक जाती है। दाना बड़ा, झूर्रीदार तथा कत्थई रंग का होता है। दानों में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है। उतेरा के लिए भी उपयुक्त होता है। यह अधिक तापमान, सूखा और उकठा निरोधक किस्म है जो सामान्यतौर पर 15 क्विं. तथा देर से बोने पर 13 क्विं. प्रति हेक्टेयर उपज देता है।

ग्वालियरः इसका दाना हल्का, भूरे रंग का होता है। यह जाति 125 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार लगभग 12 से 15 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

उज्जैनः 24 इसका दाना पीला भूरा होता है। यह लगभग 123 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी उपज लगभग 10 से 13 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में प्रोटीन 19 प्रतिशत रहता है।

जे.जी. 315: यह किस्म 125 दिन में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी तथा देर से बोने हेतु उपयुक्त किस्म है।

विजयः सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिन में तैयार होने वाली किस्म है । यह किस्म सिंचित व असिंचित क्षेत्रो के लिए उपयुक्त है। अधिक शाखायें व मध्यम ऊँचाई वाले पौधे होते है। उपज क्षमता 24-45 क्विं./हे. है।

काबूली चनाः छत्तीसगढ़ में इसकी खेती सिंचित दशा में ही की जा सकती है पर प्रति हेक्टेयर पौध सेंया का बराबर न होना प्रान्त में खेती को बढ़ावा नहीं दे रहा है।

एल 550 : यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

सी -104 : यह किस्म 130-135 दिन में पककर तैयार हो जाती है। एवं औसतन 10 से 13 क्विं./हे. उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

बोवाई का समय असिंचित क्षेत्र में : सितेबर के आखिरी सप्ताह एवं अक्टूबर के तीसरी सप्ताह में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्र (पछेती) दिसेबर के तीसरे सप्ताह तक अवश्य सेपन्न कर लेना चाहिए।

बीज दर : समय पर बोवाई के लिए 75-80 कि.ग्रा./हे.

देशी चना (मोटा दाना) 80 -100 कि.ग्रा/हे.

काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हे.

बीजोपचार : बीज को थायरम 2 ग्राम प्रति किलो बीज इसके अलावा उचित राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना आवश्यक है।

सिंचाई :

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिन बाद करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक :

मूंग की 10 टन उपज देने वाली फसल भूमि से 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 4-5 कि.ग्रा. स्फुर 10-12 कि.ग्रा. पोटाष ग्रहण कर लेती है। अतः अधिकतम उपज के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति खाद एवं उर्वरकों के माध्यम से करना आवष्यक है। गोबर की खाद या केपोस्ट पाँच टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। मूंग की फसल से अच्छी उपज लेने के लिए 20 किलों नत्रजन, 40 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाष व 20 किलो सल्फर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करना चाहिए। उर्वरक की पूरी मात्रा बोवाई के समय कूंड में बीज के नीचे 5-7 से.मी. की गहराई पर देना लाभप्रद रहता है। मिश्रित फसल के साथ मूंग की फसल को अलग से खाद देने की आवष्यकता नहीं रहती है।

कीट नियंत्रणः

कटुआः चने की फसल को अत्यधिक नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए 20 कि.ग्रा./हे. की दर से क्लोरापायरीफॉस भूमि में मिलाना चाहिए।

फली छेदक : इसका प्रकोप फली में दाना बनते समय अधिक होता हैं नियंत्रण नही करने पर उपज में 75 प्रतिशत कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए मोनाक्रोटोफॉस 40 ई.सी 1 लीटर दर से 600-800 ली. पानी में घोलकर फली आते समय फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

चने के उकठा रोग नियंत्रण : उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रो में फल चक्र अपनाना लाभकर होता है। प्रभावित पोधा को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड्ढे में दबा देना चाहिये। बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी 4 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

उपज एवं भण्डारण : चने की शुध्द फसल को प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 क्विं. दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबूली चने की पैदावार देशी चने से तुलना में थोडा सा कम देती है। भण्डारण के समय 10-12 प्रतिशत नमी रहना चाहिए।

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प 'बेंवर खेती'

बैगा आदिवासी बिना जोत व उर्वरक के उगाते अनाज व औषधि

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेश्नल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बेपर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र के सहारे से करें खेती

मौसम में परिवर्तन हो रहा है, इस बदलते मौसम में वर्षापात जिला स्तर पर न होकर यह प्रखंडवार और पंचायतवार स्तर पर हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में किसान पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र द्वारा अपने पंचायत स्तर पर वर्षा माप सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी खेती की योजना बना सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ गोपाल राम शर्मा ने कहा कि पोर्टेबल वर्षा मापक उपकरण प्लास्टिक का बना होता है जो प्लास्टिक के तीन डब्बों से बना होता है और साथ में एक नपना गिलास होता है, जिसमें वर्षा जल डाल कर रीडिंग पढ़ते है, इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है, इसका वजन बहुत ही हल्का होता है।

इसकी कीमत भी लगभग दो हजार के आसपास होती है और यह शहर में विज्ञान के उपकरण की दुकान या मौसम विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्राप्त किया जा सकता है। उनहोंने कहा कि इस उपकरण से यह मालूम हो जाता है कि कितनी वारिस हुई है।

खेत में नमी, पानी की स्थिति देखकर किसान अपनी फसल की योजना बना सकते है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण को घर के किसी ऊंचे स्थान पर या छत पर वर्षा शुरू होने से पहले रख देते ह॥ जहां पर आस-पड़ोस पेड़ या दूसरा ऊंचा मकान न हो।

खुले स्थान पर रखने से वर्षा का पानी जमा हो जाता है. उस पानी को नपना गिलास में रख कर रिडिंग किया जा सकता है।

यूक्रेन के स्कूल में रूसी हमले, इमारत से निकाले गए तीन शव, 23 लोग घायल

कीव। पूर्वी यूक्रेन स्थित एक विद्यालय पर रूसी हमले के बाद यूक्रेन के बचाव कर्मियों ने स्कूल की इमारत से तीन शव बरामद किये। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन के कई हिस्सों में रूसी हमले लगातार जारी हैं। विद्यालय पर हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। वहीं, शुक्रवार को एक समझौता होना है जिससे यूक्रेन अनाज-उर्वरक का निर्यात करने के लिए अपने जहाजों का परिचालन काला सागर से होकर कर सकेगा। हालांकि, इसके अलावा युद्ध से राहत मिलने के कोई अन्य संकेत नहीं मिले हैं। रूस ने इस हफ्ते एक बार फिर दोहराया कि उसकी योजना पूर्वी यूक्रेन से आगे के क्षेत्रों पर भी कब्जा करने की है, जहां डोनबास क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश में रूसी सेना ने कई महीने गुजारे। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि दोनेत्स्क प्रांत के क्रमटोर्स्क में रूसी बमबारी से एक विद्यालय नष्ट हो गया, जबकि 85 अन्य रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की राज्य आपातकाल एजेंसी ने कहा कि इसने बृहस्पतिवार को हमले का निशाना बने विद्यालय में काम पूरा कर दिया है और तीन शव बरामद किये गये। दोनेत्स्क के गवर्नर पाव्लो किरीलेंको ने एक समाचार चैनल को दिये बयान में कहा कि विद्यालयों और अस्पतालों पर रूसी हमला बहुत कष्टकारी हैं, जो शांतिपूर्ण शहरों को बर्बाद करने की उसकी असल मंशा को दर्शाता है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी हमले में 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गये, जो विद्यालय संख्या-23 के भवन का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अन्य हमले में माइकोलाइव स्थित औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आयुध भंडार को नष्ट कर दिया गया। कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी बलों ने यूक्रोन को अमेरिका से मिले एचआईएमएआरएस मल्टीपल रॉकेट लांचर को भी नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान में बिजली कटौती के खिलाफ जमात ए इस्लामी की 'हक दो कराची को' रैली आज

पाकिस्तान में चीन के साथ कई विद्युत परियोजनाओं पर काम होने के बावजूद बिजली का संकट चरम पर है। हालात ये हो गए हैं कि अब कई जगहों पर 16 घंटे की बिजली कटौती जारी है। बिजली दरें काफी बढ़ी हुई है। इसको लेकर जमात ए इस्लामी शुक्रवार को रैली आयोजित करने जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान के कराची में बिजली शुल्क के मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए जमात-ए-इस्लामी ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फ्हक दो कराची कोफ्र मार्च आयोजित करने की घोषणा की है। मार्च शाम 4 बजे कराची के शाहरा-ए-कायदा में आयोजित किया जाएगा। मार्च की घोषणा जमात-ए-इस्लामी (कराची) के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने की। विरोध प्रदर्शन में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल होंगे। 24 जुलाई से जमात-ए-इस्लामी का हक दो कराची को आंदोलन नए दौर में प्रवेश करेगा। जेआई प्रमुख ने कहा कि वे के-इलेक्ट्रिक द्वारा बिजली बिलों में 6,000 मासिक बिक्री कर की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे व्यापारिक समुदाय के साथ हैं और जल्द ही उनके साथ मिलकर भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगे। इससे पहले मार्च में हाफिज नईम ने कहा था कि ईद के बाद जेआई मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना देंगे। जमात-ए-इस्लामी, कराची, अमीर हाफिज नईम-उर-रहमान ने कहा था कि फ्हक दो कराची कोफ्र रैली ग्रामीण और शहरी सामंतों के खिलाफ कराची के लोगों के वैध और कानूनी अधिकारों के लिए एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी गवर्नर हाउस पहुंचे होते तो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को यह नहीं सोचना चाहिए कि वहां वे मुख्यमंत्री आवास नहीं पहुंच सकते. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईद के बाद हम सीएम हाउस में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

फेसबुक ने दो अफगानी मीडिया संस्थानों पर लगाई पाबंदी, तालिबान बोला असहिष्णु कार्रवाई

काबुल । अफगानिस्तान के दो सरकारी मीडिया संस्थानों के खातों पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक ने पाबंदी लगाई है। कंपनी ने कहा कि अमेरिका के कानून के तहत तालिबान एक आतंकी संस्था है, ऐसे में उसके द्वारा संचालित किसी भी अकाउंट को वह अपने प्लेटफार्म पर जगह नहीं दे सकते हैं। तालिबान ने पिछले साल अगस्त माह में अफ़गानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते ही फेसबुक और ट्विटर का उपयोग करना शुरू कर दिया था। देश के मीडिया संस्थानों, अखबारों और रेडियो पर अपनी पकड़ बनाने के बाद तालिबान इन्हें अपनी छवि सुधारने के लिए उपयोग कर रहा है।

दुनिया के सामने अपने क्रूर शासन को छिपाने के लिए तालिबान सरकारी मीडिया का खूब इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, फेसबुक ने प्रतिबंधित मीडिया संस्थान की जानकारी नहीं दी है, लेकिन नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान (आरटीए) और सरकारी स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी ने कहा है कि फेसबुक ने उन्हें ब्लॉक कर दिया है। आरटीए के निदेशक अहमदुल्ला वासिक ने एक वीडियो बयान में कहा कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संस्थान के अकाउंट को बिना कोई कारण बताये बंद कर दिया गया। उन्होंने नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान को देश की आवाज करार दिया है। फेसबुक द्वारा अफ़ग़ानिस्तान की सरकारी मीडिया एजेंसी को प्रतिबंधित किये जाने के बाद तालिबान ने इसे असहिष्णुता का उदाहरण बताया है।

ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार 2022 की सूची में तीन भारतीय छात्र शामिल

लंदन। वर्ष 2022 के 'ग्लोबल स्टूडेंट' पुरस्कारों की सूची में तीन भारतीयों को स्थान प्राप्त हुआ है। दुनियाभर के डेढ़ सौ देशों के सात हजार आवेदनकर्ताओं में से इन छात्रों का चयन किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले छात्रों को इस पुरस्कार के तहत हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम दिया जाता है। गोवा स्थित बिरला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बिट्स) की 20 वर्षीय छात्रा अनघा राजेश, ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 22 वर्षीय छात्र ओशिन पुरी और बेंगलुरु की 19 वर्षीय हाई स्कूल की छात्रा श्रेया हेगड़े इस साल के पुरस्कारों की शीर्ष 50 की सूची में शामिल हैं। शिक्षा जगत की कंपनी 'चेग' की गैर लाभकारी इकाई यह पुरस्कार प्रदान करती है।चेग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डान रोजेनस्वैग ने कहा, 'पिछले साल पुरस्कारों की शुरुआत से लेकर ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार ने दुनियाभर के छात्रों को अपनी कहानी सुनाने, एक दूसरे से संपर्क करने और शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में प्रभावशाली लोगों से मिलना का मौका दिया है।' उन्होंने कहा, 'अनघा, ओशिन और श्रेया जैसे छात्रों को भी अपने अनुभव साझा करने और अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। आखिरकार, दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें उनके सपनों, विचारों और रचनात्मकता को महत्व देने की जरूरत है।

दुनिया का पहला मलेरिया रोधी टीका अफ्रीकी देशों में लगाने की तैयारी

ब्लांटायर (मलावी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने तीन अफ्रीकी देशों में दुनिया का पहला अधिकृत मलेरिया रोधी टीका लगाने की घोषणा की है। लेकिन इस टीके के मूल्य को लेकर इसके सबसे बड़े समर्थक बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने चिंता जताते हुए इस टीकाकरण कार्यक्रम को वित्तीय समर्थन नहीं देने का फैसला लिया है। डब्ल्यूएचओ ने इस टीके को मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक सफलता करार दिया है, लेकिन बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने इस सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह अब इस टीके को वित्तीय समर्थन नहीं देगा। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा कि वे फाउंडेशन के इस निर्णय से निराश हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे लाखों अफ्रीकी बच्चों की मलेरिया के कारण मौत हो सकती है। साथ ही यह निर्णय जन स्वास्थ्य में आने वाली समस्याओं को सुलझाने के भविष्य के प्रयासों को कमजोर कर सकता है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) का मॉस्कीरिक्स नामक टीका लगभग 30 प्रतिशत प्रभावी है और इसकी चार खुराक लेनी होती हैं। गेट्स फाउंडेशन के मलेरिया से संबंधित कार्यक्रमों के निदेशक फिलिप वेल्कहॉफ ने कहा कि मलेरिया टीके की प्रभावकारिता जितनी हम चाहते थे, उससे काफी कम है। टीके पर 20 करोड़ डॉलर खर्च करने और इसे बाजार में लाने के लिए कई दशक लगाने के बाद इससे हाथ खींचने के गेट्स फाउंडेशन के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए वेल्कहॉफ ने कहा कि टीका अपेक्षाकृत महंगा है और इसकी आपूर्ति चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, यदि हम अपने वर्तमान वित्तपोषण के जरिये ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाना चाहते हैं, तो कीमत और प्रभावकारिता महत्व रखती है। वेल्कहॉफ ने कहा कि अफ्रीका में टीकाकरण का समर्थन करने से पीछे हटने का गेट्स फाउंडेशन का निर्णय विस्तृत विचार-विमर्श के बाद वर्षों पहले किया गया था। इस बात पर भी चर्चा की गई थी कि क्या फाउंडेशन का पैसा मलेरिया के अन्य टीकों, उपचारों या उत्पादन क्षमता पर बेहतर ढंग से खर्च किया जा सकता है। लीवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन में बायोलॉजिकल साइंस के डीन एलिस्टर क्रेग ने कहा, यह दुनिया का कोई बहुत बड़ा टीका नहीं है, लेकिन इसके इस्तेमाल से बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। क्रेग ने कहा, ऐसा भी नहीं है कि हमारे पास बहुत से अन्य विकल्प मौजूद हैं।

कैपिटल हिल में वोनडूरसका मैथ्यू और सराह मैथ्यू कैपिटल हिल पर हुए हमले के मामले में सदन की कमेटी के सामने गवाही देते हुए।

मरम्मत के बाद जर्मनी और रूस के बीच फिर शुरू हुई गैस आपूर्ति, फिर भी यूरोप भयभीत क्यों?

बर्लिन। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी एक डर से आशंकित है दरअसल, रूस और जर्मनी के बीच बंद पड़ी नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन को 10 दिन की मरम्मत के बाद फिर शुरू कर दिया गया है। नॉर्ड स्ट्रीम के प्रवक्ता ने बताया कि पाइपलाइन को वापस से शुरू कर दिया गया है। हालांकि, कितनी गैस सप्लाई की जा रही है इसकी जानकारी नहीं दी गई। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी को डर है कि रूस गैस की आपूर्ति को रोक सकता है। साथ ही अन्य पश्चिमी देशों को भी यह आशंका है कि यूरोप में रूस गैस को एक हथियार के रूप में प्रयोग कर सकता है। जर्मनी इस समय अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस पर निर्भर है। ऐसे में रूस द्वारा गैस आपूर्ति रोकने की स्थिति में जर्मनी के ऊर्जा क्षेत्र के ठप्प पड़ने की आशंका है। जर्मनी के शीर्ष नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि इस अवसर का इस्तेमाल कर रूस पूरे यूरोप को ऊर्जा संकट में धकेल सकता है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने बीते हफ्ते मीडिया से बातचीत में कहा था कि रूस जानबूझकर गैस के साथ ही यूक्रेन से आने वाले खाद्य निर्यात को भी रोक रहा है। ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक सम्मलेन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूसी ऊर्जा कंपनी गज़प्रोम अपनी तय आपूर्ति को पूर्ण रूप से जारी रखेगी।

कोलंबो में सेना का मिडनाइट ऑपरेशन, राष्ट्रपति सचिवालय से प्रदर्शनकारियों को हटाया

– श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा

कोलंबो (एजेंसी)।

देश को नया राष्ट्रपति मिलने के साथ ही श्रीलंका में सरकारी स्थानों पर कब्जा कर चुके सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों को आर्मी ने हटाना शुरू कर दिया है। देर रात सेना ने ऑपरेशन चलाया और कोलंबों में राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र सुरक्षाबलों में झड़प हुई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को हटाने का अभियान शुरू हुआ। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने शुक्रवार तड़के वाणिज्यिक राजधानी कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा। साइट के मीडिया फुटेज में असॉल्ट राइफलों से लैस सैनिकों को शिविर को तोड़ने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है, जबकि दर्जनों पुलिस बाहर खड़ी दिखाई पड़ी। प्रदर्शनकारियों ने आशंका जताई थी कि नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, उनके अपदस्थ पूर्ववर्ती गोटाबाया राजपक्षे के सहयोगी के तहत एक कार्रवाई आसन्न थी। जैसे ही दिन का उजाला हुआ तब तक दर्जनों सैनिकों ने मार्च किया और राष्ट्रपति सचिवालय के सामने से गुजरने वाली मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर खड़े विरोध टेंटों की पंक्तियों को हटा दिया गया। विरोध के आयोजकों ने कहा कि सैकड़ों सुरक्षा कर्मियों ने आधी रात के बाद गोटा गो गामा विरोध शिविर को घेर लिया। इस शिविर का

नाम दंगाईयों ने राष्ट्रपति का मजाक उड़ाने के लिए रखा था। उन्होंने कहा रानिल विक्रमसिंघे हमें नष्ट करना चाहते हैं, वे फिर से ऐसा कर रहे हैं, लेकिन हम उन्हें उनके मकसद में कामयाब नहीं होने देंगे। हम अपने देश को ऐसी घिनौनी राजनीति से मुक्त बनाना चाहते हैं।

बताया जाता है कि सेना के साथ झड़प में लगभग 50 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। जिसमें कुछ पत्रकार भी शामिल हैं जिन्हें सुरक्षा बलों ने पीटा था। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि दो अस्पताल में भर्ती हैं। यह एक व्यवस्थित और पूर्व नियोजित हमला था। उन्होंने वास्तव में लोगों पर बेरहमी से हमला किया। जो हुआ है वह सत्ता का एक बहुत ही गलत प्रदर्शन है। श्रीलंका में रविवार को विक्रमसिंघे द्वारा लगाए गए आपातकाल की स्थिति है, जब वह कार्यवाहक राष्ट्रपति थे। पिछले आपातकालीन नियमों का इस्तेमाल सेना को प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने की शक्ति देने और विरोध करने के अधिकार को कम करने के लिए किया गया है।

वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन हुए कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

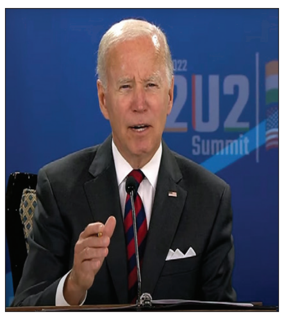

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तमाम ऐहतियाती कदम उठाने के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और व्हाइट हाउस इसे एक सबक के तौर पर ले रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस बाइडन के वायरस से संक्रमित होने के बारे में कुछ भी खुलकर नहीं बता रहा है। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन ने बृहस्पतिवार दोपहर एमएसएनबीसी से कहा, राष्ट्रपति रोजाना वह सब कुछ करते हैं जो अमेरिका में कोई अन्य व्यक्ति करता है। उन्होंने कोविड से खुद का बचाव करते हुए काम किया। बाइडन ने व्हाइट हाउस की बालकनी से एक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, मेरी तबीयत ठीक हो रही है। बहुत काम कर रहा हूं। और इस बीच,मेरी चिंता करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। विश्वास रखिए। सब ठीक हो जाएगा। बृहस्पतिवार को बाइडन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी दी गई थी।

इस दौरान बार -बार आश्वासन दिया गया कि राष्ट्रपति कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं और उन्होंने व्हाइट हाउस के आवासीय इलाकों में खुद को पृथक कर लिया है। उनमें जुकाम, सूखी खांसी और थकान जैसे कोविड-19 के बहुत हल्के लक्षण हैं। यह सब कवायद बाइडन के स्वास्थ्य से ध्यान हटाने के प्रशासन के प्रयास का हिस्सा है। व्हाइट हाउस बाइडन के इस विचार को प्रदर्शित करना चाहता है कि अधिकतर अमेरिकी कोविड की चपेट में आने पर बहुत मुश्किलों का सामना किए बिना इससे उबर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें टीके लगवाने औरखुद को बचाने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन जीन-पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कई बार कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में यथासंभव पारदर्शिता बरत रहा है।

दिनेश गुणवर्धने को बनाया गया श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री, पीएमओ में लिया शपथग्रहण

कोलंबो। (एजेंसी)।

वरिष्ठ नेता दिनेश गुणवर्धने को शुक्रवार को श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई। गुणवर्धने को अप्रैल में, पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के कार्यकाल के दौरान गृह मंत्री बनाया गया था।

वह विदेश मंत्री और शिक्षा मंत्री के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री पद खाली हो गया था। छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को देश के आठवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ

ग्रहण की थी। उन्होंने देश के सामने आ रहे अभूतपूर्व आर्थिक संकट को दूर करने के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित करने के लिए हफ्ते में दूसरी बार बुलाई बैठक

लंदन (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित किया जाए या नहीं यह घोषित करने के लिए एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बैठक बुलाई है। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि अफ्रीका और विकसित देशों में संक्रमण फैलने के तरीकों में स्पष्ट अंतर होना किसी समन्वित प्रतिक्रिया को जटिल बना देगा। अफ्रीकी अधिकारियों ने कहा कि वह पहले से ही महाद्वीप की महामारी को आपातकाल मान रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य जगह मंकीपॉक्स के मामूली प्रकार की मौजूदगी पर आपातकाल की घोषणा करना गैर जरूरी है, भले ही वायरस पर नियंत्रण नहीं हो सके। अफ्रीका के पश्चिमी और मध्य के कई हिस्सों में मंकीपॉक्स दशकों से मौजूद है, जहां बीमार जंगली पशु कभी-कभी ग्रामीण लोगों को संक्रमित करते हैं। लेकिन यूरोप, उत्तर अमेरिका और अन्य जगहों पर कम से कम मई से समलैंगिक और बाइसेक्सुअल लोगों में यह बीमारी फैली है। अमीर देशों में यह बीमारी यौन संबंध से फैलने की आशंका जताई गई है, खासकर स्पेन और बेल्जियम जैसे देशों में जहां माना जा रहा है कि रेव पार्टियों से इसका प्रसार हुआ है। दुनिया भर में अब मंकीपॉक्स के 15,000 मामले सामने आए हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों ने लाखों टीके खरीदे हैं, जबकि अफ्रीका को एक भी टीका नहीं मिला है, जहां मंकीपॉक्स का अधिक गंभीर प्रकार पहले ही 70 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। ब्रिटेन के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा कि अमीर देशों से अभी तक मंकीपॉक्स से किसी मौत की सूचना नहीं है। लेकिन अफ्रीका में जारी इसका प्रकोप यूरोप और उत्तरी अमेरिका में इसके प्रकोप से लगभग पूरी तरह अलग है। हंटर पहले संक्रामक रोगों पर डब्ल्यूएचओ को सलाह दे चुके हैं। विश्व निकाय संयुक्त राष्ट्र संघ की स्वास्थ्य एजेंसी ने इस सप्ताह कहा कि अफ्रीका के बाहर मिले मंकीपॉक्स के 99 फीसदी मामले पुरुषों से जुड़े हैं, इसमें भी 98 फीसदी मरीज वे पुरुष हैं जिन्होंने किसी पुरुष से यौन संबंध बनाया। हालांकि यह रोग किसी भी उस व्यक्ति को हो सकता है, जो मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी से निकट शारीरिक संपर्क में है। एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा बहुत सक्रिय समलैंगिक गिरोह में ऐसे पुरुष होते हैं, जो नहीं चाहते कि लोग यह जानें कि वे क्या कर रहे हैं, खुद उन्हें भी नहीं पता होता कि वे किसके साथ यौन संबंध बना रहे हैं। कांगो इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च में वैश्विक स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करने वाले एक विषाणु विशेषज्ञ डॉ. प्लासाइड मबाला ने कहा अफ्रीका और पश्चिम के रोगियों में ध्यान देने योग्य अंतर हैं।

रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने से घबराया चीन, ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर हुआ मजबूर

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के विस्तारवादी नीति से पूरी दुनिया वाकिफ है। दुनिया जानती है कि चीन की मंशा ताइवान पर कब्जा करने की है। जिस दिन से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है, उस दिन से चीन की भूख भी ताइवान पर हमला करने की बढ़ गई है। चीन की मंशा पर ही अब अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। सीआईए चीफ बिल बर्न्स ने ने दावा किया है कि यूक्रेन युद्ध का हश्र देख चीन अपने ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर मजबूर हो गया है। सीआईए के अनुसार यूक्रेन ने अब तक रूस के 15 हजार से ज्यादा सैनिकों को मारा है और करीब 45 हजार को जख्मी कर दिया है। रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने के कारण चीन भी घबराया हुआ है।

एस्पेन सिक्योरिटी फोरम में उपस्थित हुए सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स ने कहा कि चीन ने यूक्रेन में देखा है कि आप जबरदस्त सैन्य ताकत के साथ अचानक त्वरित और निर्णायक जीत हासिल नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस बात की अटकलों को खारिज कर दिया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस साल के अंत में कम्युनिस्ट पार्टी की अहम बैठक के बाद ताइवान प्लान पर आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि मैं स्व-शासित ताइवान पर चीन के विस्तारवादी मंसूबे के राष्ट्रपति शी की नीति को कम नहीं आंकूंगा। सीआईए के डायरेक्टर ने कहा कि चीन को हमला करना है तो नई रणनीति बनानी होगी। सैन्य ताकत से रातों-रात कुछ बदला नहीं जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सूचना पर नियंत्रण सबसे ज्यादा जरूरी है। प्रतिबंधों से उबर सके ऐसा इकनोमिक प्लान बनाना होगा।

चीन की मंशा पर ही ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-6 नेवी दावा किया था।एमआई-6 के प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि पश्चिमी देशों का ज्यादा मकसद यूक्रेन में युद्ध जीतने पर रहे क्योंकि चीन की नजर इस जंग पर है। जिसकी आड़ में ड्रैगन अपने ताइवान मिशन को पूरा करने की फिराक में है। ब्रिटिश खुफिया

एजेंसी के प्रमुख ने अमेरिका के कोलोराडो में सीएनएन को दिए इंटरव्यू में यह बयान दिया है। यह पहली मर्तबा है जब विदेशी धरती पर हमें एमआई-6 के प्रमुख ने कोई इंटरव्यू दिया। रिचर्ड मोड़ ने इंटरव्यू में कहा कि पश्चिमी देशों को यह संदेश देने की जरूरत है क्या कर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। मूर ने यह भी कहा कि चीन अमेरिका की ताकत को गलत आंक रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने धूम्रपान की उम्र बढ़ाकर 21 करने वाली याचिका खारिज की, इन जगहों पर बेचने पर लगी रोक

नयी दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को धूम्रपान करने की उम्र सीमा 18 से बढ़ाकर 21 साल करने के लिए दिशानिर्देश देने का अनुरोध करने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में शिक्षा और अस्पताल से जुड़े संस्थानों और प्रार्थना स्थलों के पास खुदरा सिगरेट की बिक्री पर पाबंदी लगाने का भी अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति सुधांशू धुलिया की पीठ ने दो अधिवक्ताओं की ओर से दायर इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा, ''यदि आप प्रचार चाहते हैं, तो अच्छे केस पर बहस करिये, प्रचार हित याचिका नहीं दायर करें।'' शीर्ष अदालत उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे दिशानिर्देश देने का अनुरोध करते हुए अधिवक्ता शुभम अवस्थी और सप्त ऋषि मिश्रा की ओर से दायर किया गया था। याचिका में वाणिज्यिक स्थलों से धूम्रपान क्षेत्र को हटाने का भी अनुरोध किया गया था।

बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में बढ़ोतरी से हाई कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- यौन शिक्षा पर दोबारा करे विचार

कोच्चि। बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन माध्यम से आसानी से उपलब्ध अश्लील सामग्री के कारण युवाओं को गलत चीजें प्राप्त होती हैं इसलिए उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताना जरूरी है। अदालत ने कहा कि समय आ गया है कि फ्हमारे स्कूलों में दी जा रही यौन शिक्षा पर दोबारा विचार किये जाए।फ्र न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने 13 वर्षीय लड़की के गर्भपात की अनुमति देते हुए यह बातें कहीं। इस मामले में लड़की को उसके नाबालिग भाई ने गर्भवती कर दिया था। न्यायमूर्ति अरुण ने कहा, फ्इस मामले पर फैसला सुनाने से पहले, मैं बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करना चाहता हूं जिनमें कुछ मामलों में नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। मेरे विचार में, समय आ गया है कि हमारे स्कूलों में दी जा रही यौन शिक्षा पर दोबारा विचार किया जाए।फ्र उन्होंने कहा, ''इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध अश्लील सामग्री के कारण युवाओं के दिमाग पर गलत असर पड़ सकता है। हमारे बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताना बेहद जरूरी है।

सिब्बल ने ईडी की सोनिया गांधी से पूछताछ पर कहा, प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है

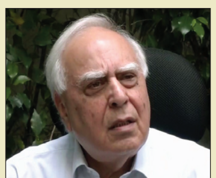

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए बुलाए जाने के साथ ही ''प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है।'' उन्होंने यह भी कहा कि सभी जांच एजेंसी को नेताओं को प्रताड़ित करने और उनकी छवि बिगाड़ने के लिए सरकार का प्रभावी अस्त्र माना जा रहा है। पूर्व कांग्रेस नेता सिब्बल ने कहा, ''ईडी द्वारा सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए बुलाए जाने के साथ ही प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है।'' सिब्बल ने हाल में कांग्रेस छोड़ दी थी और वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। गौरतलब है कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड अखबार से संबंधित धन शोधन के एक मामले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से दो घंटे तक पूछताछ की थी।

फरीदाबाद में एक युवक की गला रेतकर हत्या, हिंदू संगठन ने लगाया सड़क पर जाम

फरीदाबाद हरियाणा के फरीदाबाद में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस हत्या का बाद इलाके में तनाव फैल गया। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए। सड़क जाम करके न्याय की मांग की। हिंदू संगठनों ने कहा कि जब तक आरोपी कमाल कुरैशी समेत अन्य को गिरफ्तार नहीं किया जाता वे अपना प्रदर्शन जारी रखने वाले हैं। प्रदर्शन के चलते कई किलोमीटर लंबा जाम लग लगा। देवेंद्र के जीजा आरएसएस से जुड़े हैं जिसके कारण मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नगला गांव के रहने वाले देवेंद्र (35) वेल्डिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात को देवेन्द्र को तीन युवकों ने घर के बाहर मिलने के लिए बुलाया। जैसे ही देवेंद्र बाहर निकला धारदार हथियार से उसका गला काट कर हमलावर मौके से फरार हो गए थे। देवेंद्र को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश में जुट गई है। बजरंग दल के नेता अशोक बाबू ने आरोप लगाया कि देवेंद्र को जिहादियों ने मारा है। उन्होंने कहा कि नूह में डीएसपी को कुचलकर मार दिया गया। हरियाणा में अपराध बढ़ रहा है। हिंदुओं के गले काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों का एनकाउंटर नहीं होता, हिंदू संगठन धरने से नहीं उठने वाले हैं।

रवि किशन लोकसभा में लाएंगे जनसंख्या नियंत्रण बिल, बोले- विश्व गुरु बनने के लिए ये जरूरी

नई दिल्ली । संसद के चल रहे मानसून सत्र में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सांसद रवि किशन आज लोकसभा में जनसंख्या नियंत्रण पर निजी सदस्यों का विधेयक पेश किया। ज्ञात हो कि राज्यसभा में बीजेपी सांसद राकेश सिन्हा ने भी जनसंख्या नियंत्रण पर इसी तरह के बिल के लिए नोटिस दिया है। सदन में जाने से पहले भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, 'हम विश्व गुरु तभी बन सकते हैं जब जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाया जाए। जनसंख्या को नियंत्रण में लाने के लिए बहुत जरूरी है, जिस तरह से यह बढ़ रही है, हम विस्फोट की ओर बढ़ रहे हैं। मैं विपक्ष से अनुरोध करता हूं कि मुझे विधेयक पेश करने दें और सुनें कि मैं चर्चा क्यों करना चाहता हूं।' इसके अलावा उन्होंने कहा, 'यह विकास का बिल है, जिस दिन यह पारित होगा, राष्ट्र विश्व गुरु बनने की ओर उठ जाएगा। मैं इस बिल को सिर्फ विकास के पहलू से देख रहा हूं न कि जाति या धर्म के पहलू से देख रहा हूं।' ज्ञात हो कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में गत दिनों यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा 'विश्व जनसंख्या संभावना 2022' में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है। एक मंत्री के अलावा किसी अन्य लोकसभा व राज्यसभा सदस्य द्वारा पेश किए गए विधेयक को एक निजी सदस्य के बिल के रूप में जाना जाता है और सरकार के समर्थन के बिना इसके कानून बनने की बहुत कम संभावना है। पीआरएस विधान के अनुसार, 1970 के बाद से संसद द्वारा कोई भी निजी सदस्य विधेयक पारित नहीं किया गया है।

पश्चिम बंगाल- दुर्गापुर में नौजवान कर रहे कंडोम से विचित्र नशा

कोलकाता । नशे की लत हर हाल में हानिकारक होती है पर पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर शहर में युवक एक विचित्र नशे का सेवन कर रहे है। जी हां कंडोम का नशा। वैसे तो कंडोम असुरक्षित यौन संबंधों से बचाने के काम आता है, लेकिन यहां के युवक इसका इस्तेमाल मादक पदार्थ की तरह कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर में कंडोम की बिक्री में भारी इजाफा हुआ है। कई दुकानों पर तो स्टॉक आने के कुछ ही घंटे बाद खत्म हो जा रहा है। नशे के लिए कंडोम के इस्तेमाल से शहर में हर कोई हैरान है। युवाओं में इस नई लत से प्रशासन की भी चिंता बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों में दुर्गापुर के विभिन्न इलाकों जैसे दुर्गापुर सिटी सेंटर, बिधाननगर, बेनाचिती और मुचिपारा, सी जोन, ए जोन में फ्लेवर्ड कंडोम की बिक्री में भारी वृद्धि हुई है। अचानक इस बढ़ोतरी से हैरान एक स्थानीय दुकानदार ने अपने यहां से बार-बार कंडोम खरीद रहे एक युवक से इसकी वजह पूछी। तो उसने हैरान करने वाला जवाब दिया कि वह नशे के लिए इन्हें खरीदता है। दुर्गापुर के एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बताया कि पहले रोजाना कंडोम के 3 से 4 पैकेट ही बिकते थे लेकिन अब पूरे के पूरे पैक बिक रहे हैं। ये युवक कंडोम का नशे के लिए किस तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, इसकी जानकारी देते हुए दुर्गापुर के मंडल अस्पताल में काम करने वाले धीमान मंडल ने बताया कि कंडोम में कुछ सुगंधित यौगिक होते हैं। अल्कोहल बनाने के दौरान ये टूट जाते हैं। ये लत लगाने वाले होते हैं। इनसे नशा जैसा महसूस होता है।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदिवासी समाज में जश्न का माहौल, अर्जुन मुंडा ने कही यह बड़ी बात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ऐतिहासिक जीत से जनजातीय समाज में बेहद उत्साह का माहौल है। द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज से आती हैं और यही कारण है कि उस समाज में द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने की खबर से सब में खुशी देखी जा रही है। भाजपा की ओर से भी इस मौके को पूरी तरह से भुनाने की कोशिश की जा रही है। आज भाजपा की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि देश का समस्त आदिवासी समाज आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी की दूरदर्शी सोच के साथ देश लगातार नये और ऐतिहासिक फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि एक आदिवासी समाज की महिला भारत के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आजादी के लंबे कालखंड के बाद भारत का जनजातीय समाज नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहा है। यदि हम आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष को देखें तो यह हम सभी देशवासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जनजातीय समाज के लिए ऐतिहासिक लक्ष्य और उपलब्धि को प्राप्त करने की एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है। उन्होंने कहा कि आज एक आदिवासी समाज की महिला राष्ट्रपति पद पर आसीन होने जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ पिछले 8 वर्षों में जनजातीय परिपेक्ष में कई विकासात्मक कार्य हुए हैं। ये समस्त जनजातीय समाज को उत्साहित करने वाला है। इसके साथ ही अर्जुन मुंडा ने यह भी कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी आहुति देने वाले भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने लिया है।

भाजपा नेता ने कहा कि 2014 के बाद से मोदी सरकार के फैसलों के माध्यम से आदिवासी समाज के लोगों तक विकासात्मक कार्यक्रमों को पहुंचाया गया है। विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और संवैधानिक प्रावधान के आधार पर कई कार्यक्रम लोगों तक पहुंचाए गए हैं। वहीं, भाजपा एसटी मोर्चा अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार एक ऐतिहासिक क्षण आया है, पहली बार ऐसा निर्णय लिया गया और निर्णय के बाद हमारे देश के जनजातीय समाज की बेटी आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी देश के सर्वोच्च स्थान पर पदस्थापित हुई हैं। इस मौके पर भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. हीना गवित ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जब 2014 में शपथ ली थी तो उन्होंने पहले वाक्य कहा था कि मेरी सरकार गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, आदिवासियों और दलितों के लिए समर्पित है। यह केवल उन्होंने कहा ही नहीं बल्कि यह करके भी दिखाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से अपील, 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच सभी अपने घरों पर फहराएं तिरंगा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की। मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम आज उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं, जिन्होंने उस समय स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का स्वप्न देखा था, जब हम औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ रहे थे। हम उनके सपने को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस साल, जब हम 'आजादी का अमृत' महोत्सव मना रहे हैं, तो आइए 'हर घर तिरंगा' आंदोलन को मजबूत करें। तेरह अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने घरों में तिरंगा फहराएं या प्रदर्शित करें। यह मुहिम राष्ट्रध्वज के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करेगी।''मोदी ने तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाने संबंधी आधिकारिक संवाद की जानकारी भी ट्विटर पर साझा की। उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा फहराए गए पहले तिरंगे की तस्वीर भी ट्वीट की। सरकार ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू करने की योजना बनाई है।

महंगाई और जीएसटी पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लोकसभा में कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, जीएसटी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर शुक्रवार को भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद सोमवार अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। मॉनसून सत्र के पहले सप्ताह में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही है। शुक्रवार को दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे जब सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। शोर-शराबे के बीच ही पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने 'भारतीय अंटार्कटिक विधेयक, 2022' पर चर्चा आरंभ करवाई।

संक्षिप्त चर्चा और पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। सदन में हंगामा जारी रहने के बीच अग्रवाल ने अपराह्न करीब दो बजकर 35 मिनट पर सदन की कार्यवाही सोमवार अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। आज सुबह बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल शुरू कराया। इस दौरान कुछ सदस्यों ने पूरक प्रश्न पूछे और विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने जवाब दिये। इस बीच, विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन के समीप आ गए। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर एलपीजी सहित जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, कई वस्तुओं पर जीएसटी की दरें बढ़ाये जाने जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने की अपील करते हुए कहा कि ''आप सभी को बात रखने की इजाजत दूंगा लेकिन प्रश्नकाल चलन दें और इसमें हिस्सा लें।'' उन्होंने कहा, ''मेरा काम व्यवस्था के साथ सदन चलाना है। मैं सदन चलाना चाहता हूं, देश की जनता चाहती है कि सदन चले। मैं अपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने स्थान पर जाएं।'' बिरला ने कहा कि आज मछुआरों से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है, आप (विपक्षी सदस्य) इस महत्वपूर्ण विषय पर प्रश्न पूछें। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि नारेबाजी करना है तब संसद से बाहर करें, सदन में जनता से जुड़े विषयों को उठायें। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार पहले ही कह चुकी है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण स्वस्थ हो जायेंगी तब इस विषय (महंगाई) पर चर्चा कराई जाएगी, तब तक आप शून्यकाल में इस विषय को उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष प्रश्नकाल भी नहीं चलने दे रहा है, चर्चा भी नहीं कर रहा है और विधेयक भी पारित नहीं होने देना चाहता है। जोशी ने कहा, ''यह किस तरह का व्यवहार है? हम इसकी निंदा करते हैं।''

दल-बदल विरोधी कानून में संशोधन की फिलहाल जरूरत नहीं: रिजीजू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को सूचित किया कि दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधान समय और कई न्यायिक जांच की कसौटी पर खरे उतरे हैं और फिलहाल इसमें संशोधन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। रिजीजू ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या दलबदल विरोधी कानून अपने मौजूदा स्वरूप में दलबदल को रोकने के लिए पर्याप्त है? मंत्री ने कहा, ''चूंकि, दसवीं अनुसूची (जिसे दलबदल विरोधी कानून कहा जाता है) के प्रावधानसमय और कई न्यायिक जांच की कसौटी पर खरे उतरे हैं अतः फिलहाल इसमें संशोधन करने की कोई आवश्यकता नहीं है।'' एक अन्य सवाल में पूछा गया कि क्या अदालतों द्वारा दलबदल विरोधी कानून की अलग-अलग व्याख्याएं की गई हैं? इस पर रीजिजू ने कहा कि किहोतो होलोहोन बनाम जाचिल्हू मामले में उच्चतम न्यायालय की सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने दसवीं अनुसूची के सातवें पैराग्राफ को छोड़ कर पूरे प्रावधानों को बरकरार रखा था। सातवां पैराग्राफ स्पीकर या विधायिकाओं के अध्यक्षों के निर्णयों की न्यायिकता से संबंधित है। उन्होंने कहा ''हालांकि, कुछ अदालतों ने अतीत में प्रावधानों की जांच की है, लेकिन संशोधन के लिए कोई विशेष निर्देश नहीं दिया गया है।

बारिश के चलते बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से में हुआ गड्ढा

जालौन (उप्र) (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर माधोगढ़ के चिरिया सलेमपुर में भारी बारिश के चलते गहरा गड्ढा हो गया। इस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस घटना पर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के प्रवक्ता दुर्गेश उपाध्याय ने लखनऊ में पीटीआई- को बताया, ''भारी बारिश के कारण बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर पानी भर गया था, जिसकी वजह से बुधवार रात करीब डेढ़ फुट सड़क धंस गयी थी। इसकी सूचना मिलते ही तुरंत अधिकारियों की टीम वहां पहुंची और इसे दुरूस्त कर दिया गया।'' उन्होंने बताया कि सड़क की तत्काल मरम्मत कर इसे यातायात के लिए खोल दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 जुलाई को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में 296 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था। पीटीआई-द्वारा संपर्क किए जाने पर जिलाधिकारी चांदनी सिंह ने फोन का जवाब नहीं दिया। भाजपा सांसद वरूण गांधी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाया और संबंधित अधिकारियों और कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गांधी ने ट्वीट कर कहा, ''15 हजार करोड़ की लागत से बना एक्सप्रेसवे अगर बरसात के 5 दिन भी ना झेल सके तो उसकी गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। इस परियोजना के मुखिया, संबंधित इंजीनियर और जिम्मेदार कंपनियों को तत्काल तलब कर उनपर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी।'' बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के पांच दिन बाद ही जालौन में एक हिस्सा धंसने पर विपक्षी पार्टियों ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख के साथ ही कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के रिकॉर्ड समय में निर्माण को लेकर तंज कसा है।

अग्निपथ योजना के खिलाफ आंदोलन से रेलवे को 259.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ : रेल मंत्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को संसद को सूचित किया कि रक्षा सेवाओं में भर्ती की नयी अल्पकालिक ''अग्निपथ योजना'' के विरोध में हुए आंदोलनों के चलते रेलवे की संपत्ति को 259.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना के देश भर में विरोध की वजह से 15 जून से 23 जून के बीच 2000 से अधिक ट्रेन रद्द किए गए। वैष्णव ने विभिन्न सवालों के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, ''भारतीय रेल को अग्निपथ योजना के विरोध में हुए आंदोलनों में रेल परिसंपत्तियों की क्षति व तोड़फोड़ के कारण 259.44 करोड़ रुपये की हानि हुई।''

उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के विरोध में देश भर में हुए प्रदर्शनों के चलते 15 जून से 23 जून के बीच 2132 ट्रेन रद्द की गईं। वैष्णव ने यह भी कहा कि सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के विरोध के परिणामस्वरूप सार्वजनिक अव्यवस्था के कारण रेल सेवाओं के बाधित होने की वजह से यात्रियों को लौटायी गयी राशि (रिफंड) के बारे में अलग से आंकड़ा नहीं रखा जाता है। उन्होंने कहा ''हालांकि, 14 जून 2022 से 30 जून 2022 की अवधि के दौरान, अग्निपथ योजना के विरोध के चलते ट्रेन के रद्द होने के कारण करीब 102.96 करोड़ रुपये का रिफंड दिया गया। इसके अलावा, विरोध प्रदर्शन के चलते रेलवे की संपत्ति को 259.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।'' उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के विरोध के कारण रद्द की गई सभी प्रभावित ट्रेन सेवाओं को बहाल कर दिया गया है।

वैष्णव ने कहा कि भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत पुलिस और कानून व्यवस्था राज्यों के विषय हैं और इस प्रकार रेलों पर अपराध की रोकथाम, उनका पता लगाना, पंजीकरण और अन्वेषण करना तथा कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन वे अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा राजकीय रेल पुलिस और राज्य पुलिस के माध्यम से करती हैं। सेना में भर्ती की हाल ही में शुरू की गई अग्निपथ योजना के खिलाफ देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे और रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया था।

संयुक्त विपक्ष एकजुट होता तो मुर्मू की राह हो सकती थी मुश्किल, क्रॉस वोटिंग से 26 हजार वोटों का यशवंत सिन्हा को हुआ नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति चुनी गई हैं। वे भारत की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति हैं। 21 जुलाई को आए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों में एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू ने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को तीसरे राउंड की गिनती में ही हरा दिया। मुर्मू को 6,76,803 मूल्य के वोट मिले। जबकि यशवंत सिन्हा के खाते में 3,80, 177 मूल्य के वोट गए। इस चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को 64.04 प्रतिशत और यशवंत सिन्हा को 35.97 प्रतिशत वोट मिले। राष्ट्रपति के चुनाव में द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में सत्तापक्ष और गैर एनडीए दलों के अलावा विपक्षी दलोंके भी 17 सांसदों और 126 विधायकों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर अपना वोट दिया। जिसके चलते मुर्मू को बड़ी जीत हासिल हुई। दोनों उम्मीदवारों को जो मत प्रतिशत मिले इसके पीछे का गणित कुछ ऐसा रहा। इस बार राष्ट्रपति चुनाव में सांसदों और विधायकों के कुल वोट 4809 और इनका कुल मूल्य 10, 86,431 था। 18 जुलाई को वोटिंग के दिन 4754 ही वोट पड़े थे। जिनका कुल मूल्य 10,72, 377 है। इनमें लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों के 776 वोटों का कुल मूल्य 5,43, 200 है। लेकिन कुल 763 सांसदों ने मतदान में अपने मत का प्रयोग किया। 763 सांसदों का कुल वोट मूल्य 5,34,100 रहा। 14 सांसदों ने इस चुनाव में मतदान नहीं किया।

एनडीए के कुल वोटों से करीब डेढ़ लाख वोट ज्यादा

बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए में जेडीयू, अपना दल (एस), एआईएडीएमके, एनपीपी, निषाद पार्टी, एनपीएफ, एमएनएफ, एआईएनआर पार्टियां हैं जिनके वोट का मूल्य 5.26 लाख है। ऐसे में मुर्मू को एनडीए के कुल वोटों से करीब डेढ़ लाख वोट ज्यादा मिले हैं। ऐसा विपक्षी खेमे के समर्थन और क्रॉस वोटिंग की वजह से हो सका है।

क्रॉस वोटिंग से यशवंत सिन्हा को 26 हजार वोट का नुकसान

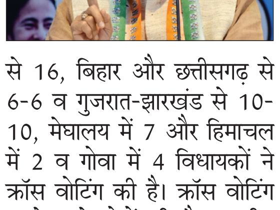

राष्ट्रपति चुनाव में 17 सासंदो और 125 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोटिंग की। इनके अलग वोच मूल्यों को देखें तो सांसदों के वोट 11900 रहे हैं। वहीं क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों में असम से 22, मध्य प्रदेश से 20, महाराष्ट्र से 16, बिहार और छत्तीसगढ़ से 6-6 व गुजरात-झारखंड से 10-10, मेघालय में 7 और हिमाचल में 2 व गोवा में 4 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है। क्रॉस वोटिंग करने वाले वोटों की वैल्यू करीब 26 हजार हो रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति चुनाव में 7 विधायकों के क्रॉस वोटिंग ने कांग्रेस की उड़ाई नींद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हो गया है और देश को महिला आदिवासी के रूप में नया राष्ट्रपति मिल गया है। हांलाकि इस चुनाव में विपक्ष के साथ खेला हो गया। सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगा है, जिसके कई विधायकों ने राष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग की है। एक गुजरात कांग्रेस विधानसभा चुनावसे पहले अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एडीचोटी का जोर लगा रही है। दूसरी ओर राष्ट्रपति के चुनाव में गुजरात कांग्रेस के ही विधायकों के एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करने से पार्टी में टूट के संकेत मिल रहे हैं। राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। द्रौपदी मुर्मू को 64 प्रतिशत और विपक्ष के उम्मीदवार यशवंतसिंहा को केवल 36 प्रतिशत ही वोट मिले हैं। 17 सांसदों और 100 से अधिक विधायकों ने क्रॉस वोटिंग किया था। गुजरात में 10 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। जिसमें कांग्रेस के 7 विधायकों ने क्रोस वोटिंग कर द्रौपदी मुर्मू की जीत का अंतर बढ़ा दिया। कांग्रेस के किस विधायक ने क्रॉस वोटिंग किया है, यह ढूंढना मुश्किल है। राष्ट्रपति के चुनाव में गुजरात से 178 विधायकों ने मतदान किया था। जिसमें एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को 121 वोट मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार यशवंतसिंहा को 57 वोट मिले। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के 63 विधायक हैं और एक निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी के साथ कुल 64 वोट होते हैं। इनमें से 7 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग किया है। माना जा रहा है कि द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस विधायक आगामी दिनों में भाजपा जॉइन कर सकते हैं। गुजरात विधानसभा के चुनाव निकट हैं और कांग्रेस अगर कोई बड़े कदम नहीं उठाती है तो उसे बड़ा नुकसान हो सकता है।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख के बयान को तोड़ मरोड कर पेश किया गया : अर्जुन मोढवाडिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर के बयान को लेकर विवाद बढ़ने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने सफाई दी है। मोढवाडिया ने कहा कि जगदीश ठाकोर के बयान को तोड़ मरोड कर पेश किया गया है। भाजपा के लोगों ने उसी मुद्दे को फिर एक बार उछाला और प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कालीख पोतने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जगदीश ठाकोर के बयान का केवल एक हिस्सा लेकर भाजपा राज्य की जनता से जुड़े मुख्य मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई, चरमराई शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा, किसानों की मुश्किलें और कानून-व्यवस्था इत्यादि से ध्यान भटकाने के लिए साजितन प्रयास कर रही है और महत्वहीन मुद्दे पर विवाद पैदा कर रही है। मोढवाडिया ने कहा कि देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह के बयान को जिस प्रकार तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया था, उसी प्रकार जगदीश ठाकोर के बयान को लेकर भी बेवजह विवाद पैदा किया जा रहा है। देश के संसाधनों और खजाने पर गरीब, सामान्य, शोषित और वंचित का हक है, ना कि विजय मालिया, ललित मोदी, निरव मोदी, मेहुल चौक्सी, सांडेसरा इत्यादि का जो विदेश भाग गए हैं। भाजपा को बताना चाहिए के पूंजीपतियों के रु 8.5 लाख करोड़ के कर्ज माफ किए हैं, क्या उनका हक है? उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों, जंगल की जमीन हो या सामान्य जमीन हो, ऐसी जमीनें एक रुपए प्रति वर्ग मीटर के दर पर लाखों एकड़ भूमि उद्योगपतियों को दे गई है, क्या इस पर उनका हक है या फिर 50-100 वार का घर पाने का सामान्य व गरीब लोगों का अधिकार है? कांग्रेस देश हित में यह बात करती है। मोढवाडिया ने कहा कि चीन रोज घुसपैठ कराता है, सीमा पर गांव और पुल बना देता है, इसके बावजूद भाजपा सरकार खामोश क्यों है? रुपये का लगातार अवमूल्यन हो रहा है जो आज 80 को पर कर गया है, चरमरा रही आर्थिक व्यवस्था पर भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है। मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाकर भाजपा की भ्रष्ट नीति-रीति से देशवासी पूरी तरह वाकिफ हो चुके हैं। हिन्दू-मुसलमान या जाति-पाति के बीच वैमनस्यता पैदा करने, विभाजन की राजनीति भाजपी का सत्ता पाने की जडी बुटी है।

सूरत में मॉर्निंग वॉक पर एक व्यापारी पर फायरिंग, कंधे पर मारी गोली,अज्ञात बाइक पर सवार फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सरथाना इलाके में फायरिंग की घटना सामने आई है. सुबह सैर पर निकले एक व्यापारी पर फायरिंग कर दी गई। बाइक पर सवार इस्मो ने गोली चलाई तो व्यवसायी के कंधे में चोट लग गई, इसलिए घायल व्यवसायी को तत्काल निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया. उधर, आरोपी फरार हैं, हालांकि पूरी घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच की.

युवक पर करीब से फायरिंग एसीपी एसीपी सी. क। पटेल ने कहा, स्टार सिटी सोसायटी में 32 वर्षीय हिरेन मोर्डिया नाम का युवक रहता है। सुबह करीब साढ़े छह बजे वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उसी समय उसके घर से दूर आ रही एक बाइक पर सवार दो आईएसएमओ आए और करीब से फायरिंग कर दी। जिससे युवक के कंधे में चोट लग गई। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। फायरिंग से डर का माहौल है कि सरथाना क्षेत्र के परब रोड पर काव्या हाइट्स के सामने बन रहे हाईराइज अपार्टमेंट के पास कई लोग सुबह टहलने निकल जाते हैं. फिर रोज की तरह व्यवसायी हिरेन मोर्डिया भी आज मॉर्निंग वॉक पर निकल पड़े। इसी दौरान बाइक पर आए इस्मो ने फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है।

पुलिस को पूरी फायरिंग की जानकारी मिलने के बाद सरथाना

पुलिस समेत आला अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंचा. कारोबारी पर फायरिंग क्यों की गई और निजी रंजिश की वजह से या किसी अन्य कारण से पुलिस ने मामले की जांच की है और अपराध के खिलाफ पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है.

गुजरात के 40 हजार से ज्यादा डॉक्टरों की हड़ताल, 30 हजार से ज्यादा नियोजित सर्जरी ठप, शहर से बाहर के मरीजों की सर्जरी जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के निजी अस्पतालों के 40 हजार से ज्यादा डॉक्टर आज हड़ताल पर जा रहे हैं. फिर 30 हजार से ज्यादा सर्जरी बंद हो जाएंगी। इतना ही नहीं, निजी अस्पतालों ने ओपीडी और आपातकालीन सेवाओं को भी बंद करने का फैसला किया है, आज गुजरात के मरीजों को निजी अस्पतालों के बजाय सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ग्राउंड फ्लोर पर आईसीयू रखने को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुजरात शाखा ने आज हड़ताल का ऐलान किया है.

अहमदाबाद में शहर से बाहर सर्जरी चल रही है दूसरी तरफ कुछ अस्पताल पूर्व नियोजित सर्जरी को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ मरीज ऐसे भी हैं, जिनके पास चिकित्सा बीमा है, जिन्होंने अपनी सर्जरी या ऑपरेशन के लिए बीमा कंपनी की मंजूरी ली है और ऑपरेशन की तारीख आज तय की गई है. अहमदाबाद में विजय चार रोड के पास

शेल्बी ऑर्थोपेडिक अस्पताल में नियमित ओपीडी का संचालन बंद है। ऑपरेशन या सर्जरी इसलिए चल रही है ताकि जो मरीज दूसरे राज्यों से ऑपरेशन के लिए आए हैं और बीमा कंपनी की प्री-अप्रूवल ले चुके हैं, वे परेशान न हों.

सौराष्ट्र में 2000 से अधिक अस्पतालों में ओपीडी बंद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने गुजरात में अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा पर सरकार के नए नियमों के विरोध में राजकोट सहित सौराष्ट्र के 2000 से अधिक अस्पतालों में आज आम हड़ताल का आह्वान किया है। अब तक विरोध में आपातकालीन सेवा जारी रखी जा रही थी, लेकिन आज आपातकालीन उपचार न देने और ओपीडी को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सिविल अस्पताल में मरीजों की लंबी कतार लगी हुई है, हालांकि सिविल अस्पताल में इमरजेंसी व ओपीडी हमेशा की तरह जारी है और सभी डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है.

सूरत शहर में अस्पताल चलाना एक बड़ी चुनौती

अग्नि सुरक्षा के नियमों को लागू करने के आदेश के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की सूरत शाखा के अधिकारियों और सदस्यों ने आज बैठक की. आज की बैठक में चर्चा की जा रही है कि यह नया अग्नि सुरक्षा नियम अस्पतालों के लिए कितना घातक साबित होगा, साथ ही सभी अस्पतालों के लिए इसे लागू करना कितना मुश्किल होगा।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के डॉक्टरों का कहना है कि सूरत जैसे शहर में अस्पताल चलाना बहुत बड़ी बात है। मुश्किल है। एक बड़ी चुनौती है। वर्तमान में कई अस्पताल काम कर रहे हैं। उनमें से अधिकांश अस्पताल शीर्ष रूप में नहीं हैं। नए आदेश के मुताबिक भव्य पर आईसीयू और एनआईसीयू खोलना भी संभव नहीं है. ऐसे में हमारे पास आज कानूनी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।